R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 35
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 13 अक्टूबर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 सनातन पर हमला बर्दाश्त नहीं : स्वामी शाडिल्य
5 संचारी रोगों से जागरूकता ही बचाव है ...
7 दीपिका पादुकोण बनीं केंद्रीय मंत्रालय की दूत

भाजपा का जम्मू-कश्मीर प्लान राज्यसभा के लिए 3 नाम फाइनल पार्टी बोली- संगठन होगा मजबूत

श्रीनगर **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने जम्मू-कश्मीर से आगामी द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव के लिए रविवार को अपने तीन उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दे दिया है। ये चुनाव केंद्र शासित प्रदेश में खाली पड़ी चार सीटों को भरने के लिए तीन अलग-अलग अधिसूचनाओं के तहत हो रहे हैं।

पार्टी के केंद्रीय कार्यालय से जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, पहली अधिसूचना के तहत एक सीट के लिए गुलाम मोहम्मद मीर को, दूसरी अधिसूचना के तहत एक सीट के लिए राकेश महाजन को, और तीसरी अधिसूचना के तहत अधिसूचित दो सीटों के लिए सत पाल शर्मा को उम्मीदवार नामित किया गया है। भाजपा ने विश्वास जताया है कि चयनित उम्मीदवार राज्यसभा में जम्मू-कश्मीर के हितों का प्रभावी ढंग से प्रतिनिधित्व करेंगे। पार्टी ने कहा कि इन उम्मीदवारों के चयन से केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा की संगठनात्मक उपस्थिति और राजनीतिक दृष्टि को और मजबूती मिलेगी।

ब्लू स्टार पर चिदंबरम के बयान पर राशिद अल्वी का पलटवार

पूछा- भाजपा के दबाव में हैं क्या?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम द्वारा 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार को 'गलत तरीका' बताने और यह कहने कि इंदिरा गांधी ने इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकाई, पर पार्टी के भीतर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व उनकी इस टिप्पणी से नाराज है।

चिदंबरम की टिप्पणी पर उनके ही पार्टी सहयोगी राशिद अल्वी ने सार्वजनिक रूप से सवाल उठाते हुए गंभीर आशंकाएं व्यक्त की हैं। अल्वी ने कहा कि चिदंबरम का बयान वही है जो भाजपा करती रही है, और उन्होंने चिदंबरम के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों के कारण उन पर किसी दबाव की आशंका जताई।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा, 'ऑपरेशन ब्लू स्टार सही था या गलत, यह अलग बात है। लेकिन पी चिदंबरम को 50 साल बाद कांग्रेस पार्टी, यानी इंदिरा गांधी पर हमला करने और यह दावा करने की क्या जरूरत है कि उन्होंने गलत कदम उठाया? वह वही कर रहे हैं जो भाजपा और प्रधानमंत्री कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।'

अल्वी ने चिदंबरम पर निशाना साधते हुए कहा, 'चिदंबरम जी द्वारा कांग्रेस पार्टी पर बार-बार किए जा रहे हमले कई संदेह और आशंकाएं पैदा कर रहे हैं। उनके खिलाफ आपराधिक मामले अभी भी लंबित हैं। मुझे आश्चर्य है कि क्या उन पर कांग्रेस पार्टी पर हमला जारी रखने का कोई दबाव है? मुझे समझ नहीं आ रहा कि पिछले 11 सालों में भाजपा की कमियों को उजागर करने के बजाय चिदंबरम ऐसा क्यों कर रहे हैं।'

पार्टी के शीर्ष सूत्र ने चिदंबरम के बयान को 'अनुचित' बताया और कहा कि इससे पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। ग्रैंड ओल्ड पार्टी के एक शीर्ष सूत्र ने कहा, 'कांग्रेस आलाकमान से लेकर आम कार्यकर्ता तक, सभी परेशान हैं। कांग्रेस से सब कुछ पाने वाले एक वरिष्ठ नेता को सोच-समझकर बोलना चाहिए। बार-बार ऐसे बयान देना ठीक नहीं है जिससे पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़े।'

चिदंबरम ने हिमाचल प्रदेश के कसौली में खुशवंत सिंह साहित्य महोत्सव में पत्रकार हरिंदर बावेजा की पुस्तक 'दे विल शूट यू, मैडमः माई लाइफ थ्रू कॉन्फ्लिक्ट' पर एक चर्चा के दौरान यह टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था, 'वह (ब्लू स्टार) स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त कराने का गलत तरीका था। गांधी ने उस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। यह सेना, पुलिस, खुफिया विभाग और सिविल सेवाओं का फैसला था। आप इसके लिए केवल श्रीमती गांधी को दोष नहीं दे सकते।'

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 एनडीए का 'महाबंटवारा' फाइनल, जेडीयू -भाजपा दोनों 101 सीटों पर लड़ेंगे

पटना **(एजेंसी)**। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया गया है, जिसकी पुष्टि जेडीयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर की। 243 सीटों के इस बंटवारे के अनुसार, जनता दल (यूनाइटेड) (जेडीयू) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनों 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें मिली हैं, और गठबंधन के अन्य दो सहयोगी दल, राष्ट्रीय लोक मोर्चा तथा हिंदुस्तानी आवाम पार्टी (सेक्युलर) को 6-6 सीटें दी गई हैं। सीटों का यह बंटवारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडीयू के लिए एक बड़ा समझौता है। 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में, जेडीयू ने 115 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इस बार, पार्टी 14 सीटों का सीधा नुकसान झेलकर 101 सीटों पर सिमट गई है, जबकि भाजपा भी अपनी पिछली 110 सीटों की संख्या से कम पर आ गई है। गठबंधन में चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के शामिल होने से सीटों के गणित पर काफी असर पड़ा है। जेडीयू नेता संजय कुमार झा ने इस बंटवारे का स्वागत करते हुए कहा, 'एनडीए के सभी दलों के नेता और कार्यकर्ता इसका खुशी से स्वागत करते हैं और नीतीश कुमार को भारी बहुमत से फिर से मुख्यमंत्री बनाने के लिए एकजुट हैं।' बिहार में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होंगे और मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी।

महिला पत्रकारों के बहिष्कार पर मुत्ताकी का 'तकनीकी खराबी' वाला बहाना, आखिर क्यों बुलाई समावेशी पीसी?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अपनी पिछली प्रेस वार्ता में महिला पत्रकारों को शामिल न करने पर चौतरफा आलोचना झेलने के बाद, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने रविवार को नई दिल्ली में एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई, जिसमें इस बार महिला पत्रकारों को आमंत्रित किया गया।

मुत्ताकी, जो एक हफ्ते की भारत यात्रा पर हैं, को 10 अक्टूबर को आयोजित अपनी पहली प्रेस वार्ता में केवल पुरुषों को शामिल करने के कारण पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और महिला अधिकारों के पैरोकारों की कड़ी निंदा का सामना करना पड़ा था।

एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया और इंडियन विमेंस प्रेस कॉर्प्स सहित कई संगठनों ने महिला पत्रकारों के बहिष्कार को बेहद भेदभावपूर्ण करार दिया था। बढ़ती आलोचना के बीच, मुत्ताकी की टीम ने रविवार की प्रेस वार्ता को सभी मीडियाकर्मियों के लिए एक समावेशी कार्यक्रम बताते हुए नए निमंत्रण जारी किए।

मुत्ताकी ने शुक्रवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकारों को बाहर रखने पर उठे विवाद को खारिज करते हुए इसे जानबूझकर की गई कार्रवाई के बजाय एक तकनीकी समस्या का परिणाम बताया।

रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'प्रेस कॉन्फ्रेंस के संबंध में, यह अल्प सूचना पर आयोजित की गई थी और पत्रकारों की एक छोटी सूची तय की गई थी... यह ज्यादातर एक तकनीकी समस्या थी। हमारे सहयोगियों ने पत्रकारों की एक विशिष्ट सूची को निमंत्रण भेजने का फैसला किया था और इसके अलावा कोई और इरादा नहीं था।' उन्होंने जोर देकर कहा, 'किसी के भी अधिकार, चाहे वह पुरुष हों या महिला, कभी भी वंचित नहीं किए जाने चाहिए।'

इस मुद्दे पर भारी आलोचना का सामना करते हुए, भारत सरकार ने पिछली प्रेस वार्ता के आयोजन में अपनी भागीदारी से खुद को अलग कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को स्पष्ट किया, 'अफगान विदेश मंत्री द्वारा कल दिल्ली में आयोजित प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय की कोई भागीदारी नहीं थी।'

यह स्पष्टीकरण कई विपक्षी नेताओं द्वारा सरकार पर भारतीय धरती पर एक भेदभावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देने का आरोप लगाने के बाद आया।

विपक्षी नेताओं ने इस बहिष्कार के लिए सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि कार्यक्रम से महिला पत्रकारों को बाहर रखने की अनुमति देना प्रधानमंत्री की महिला अधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाता है। उन्होंने लिखा, 'इस तरह के भेदभाव के सामने आपकी चुप्पी नारी शक्ति पर आपके नारों की खोखलीपन को उजागर करती है।'

प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री से स्पष्टीकरण की मांग करते हुए पूछा कि अगर महिलाओं के अधिकारों को मान्यता देना एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सिर्फ दिखावा नहीं है, तो फिर हमारे देश में भारत की कुछ सबसे सक्षम महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया गया?

टीएमसी की महुआ मोइत्रा ने इस बहिष्कार को 'शर्मनाक' बताते हुए कहा कि सरकार ने तालिबान मंत्री को महिला पत्रकारों को बाहर रखने की अनुमति देकर हर एक भारतीय महिला का अपमान किया है। मुत्ताकी, जो 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर हैं, ने शुक्रवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से द्विपक्षीय व्यापार, मानवीय सहायता और सुरक्षा सहयोग पर चर्चा की थी। उनकी यह यात्रा तालिबान की महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और जन भागीदारी को प्रतिबंधित करने वाली नीतियों को लेकर हो रही लगातार आलोचनाओं के बीच हो रही है।

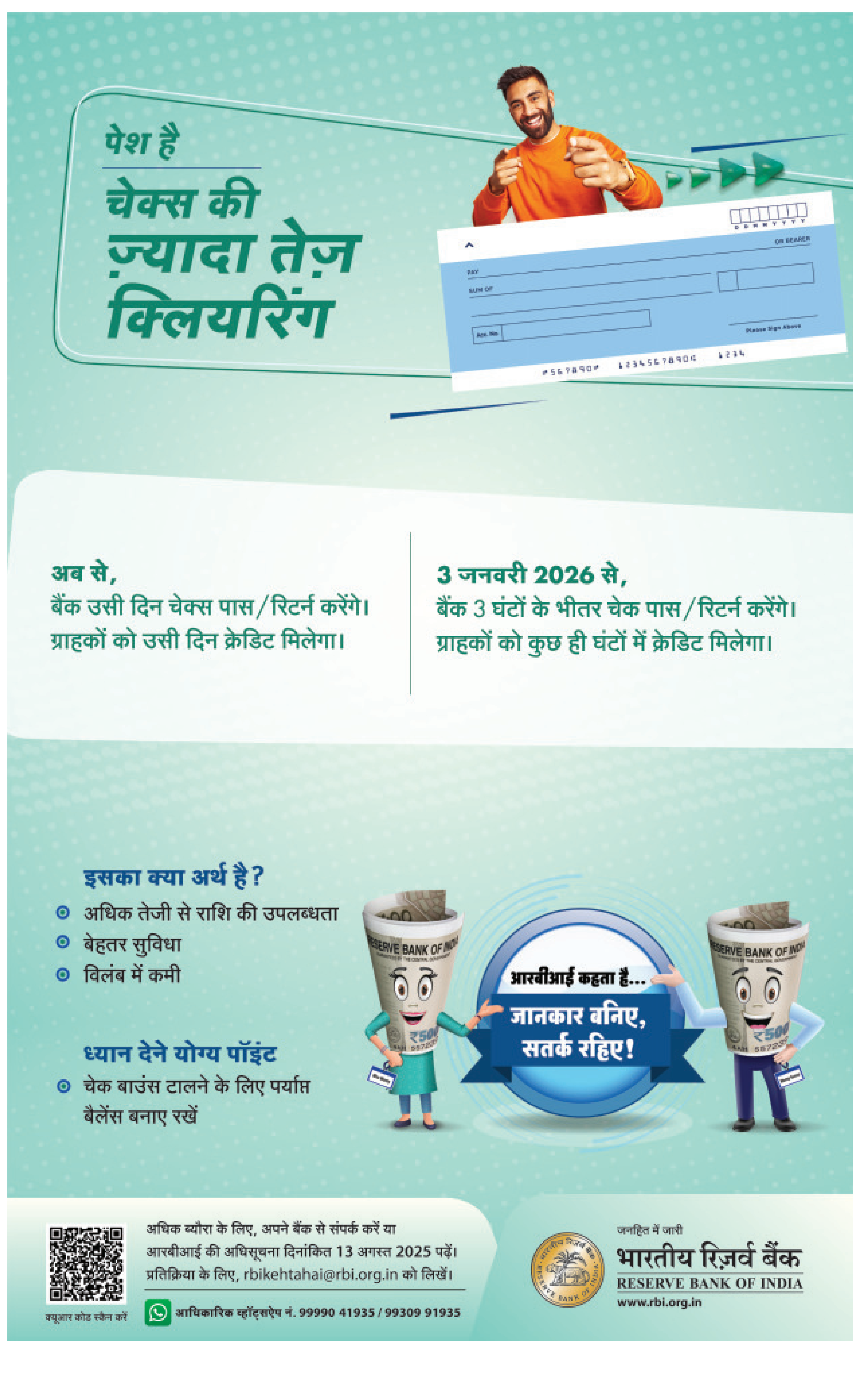

रात को छात्रा कॉलेज से बाहर क्यों गई?

दुर्गापुर रेप मामले में ममता बनर्जी का हैरान करने वाला बयान

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर मेडिकल कॉलेज की छात्रा से हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म मामले ने राज्य की सियासत को गरमा दिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को इस घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि उन्होंने पुलिस को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि छात्रा रात के समय कॉलेज परिसर से बाहर क्यों गई थी।

कोलकाता हवाई अड्डे से उत्तर बंगाल रवाना होने से पहले ममता बनर्जी ने कहा, 'यह घटना बेहद भयावह है। जहां तक मुझे जानकारी है, पीड़िता एक निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ती थी। सवाल यह है कि रात 12:30 बजे वह कॉलेज से बाहर कैसे गई और जंगल से सटे क्षेत्र में क्यों पहुंची? कॉलेज प्रशासन को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कॉलेजों से अपील की कि वे अपने छात्रों, खासकर छात्राओं की सुरक्षा को लेकर अधिक सतर्क रहें। ममता ने कहा, 'लड़कियों को रात में बाहर नहीं जाना चाहिए। उन्हें अपनी सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। पुलिस पूरी गंभीरता से जांच कर रही है और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।'

ममता बनर्जी ने अन्य राज्यों में हुई इसी तरह की घटनाओं पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, 'तीन हफ्ते पहले ओडिशा में समुद्र तट पर तीन लड़कियों के साथ बलात्कार हुआ था, लेकिन वहां की सरकार ने क्या कार्रवाई की? ऐसी घटनाएं मणिपुर, उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में भी हुई हैं। हमने अपने राज्य में एक-दो महीने में आरोप-पत्र दाखिल कर आरोपियों को फांसी की सजा दिलाई है।' मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल सरकार अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शेगी नहीं और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी।

जनशक्ति जनता दल कल करेगा उम्मीदवारों का ऐलान, खुद महुआ से लड़ेंगे तेज प्रताप

पटना **(एजेंसी)**। जनशक्ति जनता दल पार्टी संस्थापक और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व नेता तेज प्रताप यादव ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी 13 अक्टूबर को आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी। यह घोषणा बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण घटना होने की उम्मीद है। वहीं, जब पत्रकारों ने पूछा कि वह किस सीट से चुनाव लड़ना चाहेंगे, तो तेजप्रताप ने तीखे लहजे में कहा, 'मैं पहले ही कह चुका हूं कि मैं अपनी पुरानी सीट महुआ से चुनाव लड़ूंगा।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अन्य दलों से बात कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, 'हर कोई मुझसे मिलने आ रहा है।'

बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव का पहला चरण 6 नवंबर को और दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी। यह आगामी चुनावी मुकाबला भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) (जेडी(यू)) के नेतृत्व वाले एनडीए और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक के बीच होगा।

ज्योत्सना नाट्य समारोह में नाटक कहन कबीर एवं पंछी और दीमक का मंचन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आज ज्योत्सना सामाजिक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था ने उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में ज्योत्सना नाट्य समारोह का आयोजन किया जिसमें दो नाटकों का मंचन गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान के सभागार में किया गया। सर्वप्रथम समन्वय रंगमडल प्रयागराज की नाट्य प्रस्तुति कहन कबीर का मंचन हुआ यह नाटक कबीरके जीवन पर कम उनके विचारों और संघर्षों पर अधिक बात करता हुआ दिखाईदता है। कहनकबीर 'राजेश जोशी द्वारा लिखतऔर सुषमा शर्मा द्वारा निर्देशित एक कोलाज है। जो कबीर के जीवन की घटनाओं पर कम, उनके सिद्धांतों और समाज से मुठभेड़ की बातपर अधिक बात करता है. कबीर एक ऐसे समाज सुधारक थे जिसने सारे धर्म से ऊपर सगुण निर्गुण से ऊपर, एक ऐसे धर्म की कल्पना की थी जो मानवीयता पर आधारित हो उनके जीवन काल में उनकी बातें लोगों के समझ से परे थी इसलिए कुछ लोग उन्हें सनकी और जिद्दी समझते थे तो कुछ धर्म विरोधी , पर आज कबीर का दर्शन इंसानियत के पक्ष में सर्वाधिक मांग अपेक्षाकी रखता है। धर्मांधता और कट्टरता से ऊपर कबीर का दर्शन केवल और केवल इंसान और इंसानियत को केंद्र में रखता है इसीलिए कबीर जैसा व्यक्तित्व युगों में पैदा होता है जिसने अपने समय से बहुत आगे की चीजों को देख लिया था और उसके परिणामों को भी समझ लिया। और और एक बेहतर समाज के लिए उन्होंने जीवन भर संघर्ष कीजिए और अनेकों कष्ट उठाएं लेकिन हार नहीं मानी। ऐसे कबीर के जीवन संघर्ष की बात करता है नाटक कहन कबीर। रंग मंडल द्वारा इस नाटक कि यह दूसरी प्रस्तुति है। इस नाटक का निर्देशन सुसुषमा शर्मा

ने किया है। नाटक में अरनव राय दीपेंद्रसिह राहुल यादव अरुणशुक्ला ऋतिक श्रीवास्त जगदीश गॉड विजयकमार प्रज्ञान राय चंकी बच्चन वर्षिता श्रीवास्तव में अभिनय किया है। कार्यक्रम का दूसरा नाटक बैकस्टेज के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। नाटक पंछी और दीमक का निर्देशन वरिष्ठ रंग निर्देशक प्रवीण शेखर ने किया है। संस्था की ओर से 'पक्षी और दीमक' नाटक का प्रभावी मंचन किया गया। पंत संस्थान में इस प्रयोगधर्मी नाटक ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया।

मुक्तिबोध की कहानी के अंश और रसूल हमजातोव के संस्मरण मेरा दागिस्तान पर आधारित नाटक का निर्देशन प्रवीण शेखर ने किया। सशक्त अभिनय करने वाले कलाकारों में सतीश तिवारी (चिड़िया का पिता), अमर सिंह (गाड़ीवाला), शीरी (चिड़िया) थे। प्रदर्शन आलेख प्रवीण शेखर और अमर सिंह ने लिखा है। सहयोगी निर्देशक अमर सिंह रहे।

वह पक्षी अधिक सुख बटोरने की चाहत में एक गाड़ी वाले को अपना एक एक पंख देता जाता है और बदले में भोज्य के रूप में दो दीमक आसानी से प्राप्त करता है। और एक दिन पक्षी के सारे पंख गाड़ीवान के पास पहुँच जाते हैं। पक्षी पंखविहीन हो जाता है और उड़ने की स्वतंत्रता खो देता है अंत में एक बिल्ली उसे अपना ग्रास बना लेती है।

पक्षी का असली सुख आत्मसंतुष्टि और कर्म पर विश्वास ही ऐसे साधन थे जो आधुनिक बुद्धिजीवी के ढुलमुल चरित्र को दृढ़ बना सकते थे प्रतीकात्मकता के आधार पर देखें इस कहानी में अंग्रेज व्यापारियों द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था को कब्ज़ाने की साजिश को व्याख्यायित किया है। दीमक बेचने वाला अंग्रेज़ है तो दीमक खरीदने वाला पक्षी भारतीय मानसिकता का प्रतिनिधि। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सांसद प्रवीण पटेल प्रयाग महानगर भाजपा अध्यक्ष संजय गुप्ता डॉक्टर के पी श्रीवास्तव डॉक्टर कृतिका अग्रवाल एवं डॉक्टर सुशील सिन्हा एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे संस्था के मीडिया प्रभारी रविंद्र कुशवाहा जी सचिन द्विवेदी जी एवं सदस्य श्रीमती सौम्या चड्डा ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ और मोमेंटो देकर अतिथियों का स्वागत किया।

मिशन शक्ति अभियान-5.0' के तहत महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से मैराथन आयोजित

कौशाम्बी। राजेश कुमार पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में 'मिशन शक्ति अभियान-5.0' के तहत महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से मंझनपुर में 'ल्ह इदे स्ज्द्वैसह (मैराथन)' का आयोजन किया गया । अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह द्वारा थाना मंझनपुर से मैराथन को रवाना किया गया । जिसमें थाना मंझनपुर/महिला थाना की महिला आरक्षी व बीपी पब्लिक स्कूल की लगभग 150 से अधिक छात्राओं/छात्रों द्वारा हिस्सा लिया गया और समाज को महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया । दौड़ के दौरान महिला सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों एवं अपराधों के प्रति जागरूकता हेतु पम्पलेट वितरित किए गए । कार्यक्रम में विशेष रूप से छात्राओं द्वारा बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया गया।

समाधान दिवस के अवसर पर जनसुनवाई

कौशाम्बी। थाना/समाधान दिवस के अवसर पर एसडीएम मंझनपुर एसपी वर्मा व क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी जनेश्वर प्रसाद पाण्डेय द्वारा थाना पश्चिम शरीरा में जनसुनवाई की गई। इस दौरान तमाम महिला संबंधित विवादों की गंभीरता से सुनवाई करते हुए उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया गया।

ज्ञात हो कि इस अवसर पर मिशन शक्ति अभियान से जुड़े विभिन्न बिंदुओं को लागू करते हुए महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को केंद्र में रखा गया। साथ ही आए प्रार्थना पत्रों का जांच कर त्वरित निस्तारण कराया गया। तमाम फरियादी अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक व संपत्ति से संबंधित विवादों को लेकर थाने पहुंचीं। सभी मामलों को गम्भीरता से सुना गया, कई मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष मामलों में आवश्यक जांच कर शीघ्र निस्तारण का भरोसा दिया गया। इस दौरान नायब तहसीलदार मधु जैन और थानाध्यक्ष त्रिलोकी नाथ पाण्डेय सहित लेखपाल विशेष रूप से मौजूद रहे।

ट्रैक्टर का एक्सेल टूटने से स्कार्पियो से भिड़ा ट्रैक्टर स्कार्पियो सवार महिला समेत तीन घायल, ट्रैक्टर चालक फरार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। गोपीगंज थाना क्षेत्र के थानीपुर में ज्ञानपुर रोड पर रविवार की दोपहर में ईट लदा ट्रैक्टर का एक्सेल टूटने से स्कार्पिओ सवार तीन लोग घायल हो गए जबकि मौके का फायदा पाकर ट्रैक्टर चालक फरार हो गया। घायलों को पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से निजी हॉस्पिटल पहुंचाया गया। घटना के बाद गोपीगंज-ज्ञानपुर रोड पर वाहनों की कतार लग गई लेकिन पुलिस के लोगों ने दुर्घटनाग्रस्त स्कार्पिओ को एक किनारे कराकर यातायात चालू कराया। जानकारी के मुताबिक जौनपुर निवासी लालचंद गुप्ता अपनी पत्नी शकुंतला देवी के साथ अपनी स्कार्पियो (यूपी 66 एस 6426) से गोपीगंज निवासी कडेदीन गुप्ता की बेटी की सगाई में शामिल होने के लिए आ रहे थे, रविवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे थानीपुर स्कार्पियो पहुंची थी इसी बीच गोपीगंज से ज्ञानपुर तरफ ईट लादकर जा रहे ट्रैक्टर (यूपी 66 एई 4964) का एक्सेल टूटने से ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सामने से आ रही स्कार्पियो से भीड़ गई। जिसमें स्कार्पियो में बैठे लालचंद गुप्ता (62 वर्ष), शकुंतला देवी (60 वर्ष) और स्कार्पियो चालक विकास गुप्ता (28 वर्ष) घायल हो गए। सुचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से गोपीगंज के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया जबकि ट्रैक्टर चालक मौका पाकर फरार हो गया।

पटाखा विक्रेताओं से सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने आगामी धनतेरस एवं दीपावली त्यौहार के दृष्टिगत प्रस्तावित पटाखा बिक्री स्थल का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पटाखा विक्रेताओं से सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि अग्निशमन एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न होने पाए।

अध्यक्ष जिला पंचायत, सदस्य उ.प्र.राज्य महिला आयोग एवं पूर्व विधायक ने किसानों को बीज मिनीकिट किया वितरित

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। प्रधानमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना (पी.एम.डी.डी.के.वाई.) एवं दलहन मिशन योजना के शुभारम्भ कार्यक्रम का सजीव उदयन सभागार में किया गया।

ज्ञात हो कि उदयन सभागार में उपस्थित अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर, सदस्य उ.प्र.राज्य महिला आयोग प्रतिभा कुशवाहा, पूर्व विधायक लाल बहादुर व जनपद के विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं किसानों ने

प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना।

अध्यक्ष जिला पंचायत, सदस्य उ.प्र.राज्य महिला आयोग एवं पूर्व विधायक ने बीज मिनीकिट की ई-लाटरी में चयनित कृषकों को चना, मटर, मसूर एवं सरसों बीज मिनीकिट का वितरण किया। इसके साथ ही कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण तथा पशु-पालन, उद्यान व मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में लाभान्वित कृषकों को प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद के समस्त विकास खण्ड मुख्यालय, समस्त न्याय पंचायतों, किसान समृद्धि केन्द्रों एवं बी-पैक्स में भी किया गया।

इस अवसर पर उप कृषि निदेशक सतेन्द्र कुमार तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एसपी व डीएम ने परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर ड्यूटी में लगे अधिकारियों/कर्मचारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य / प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा0) परीक्षा 2025 तथा सहायक वन संरक्षक/क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा (प्रा0) परीक्षा-2025 को सकुशल, निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा जिलाधिकारी कौशाम्बी मधुसूदन हुल्गी के साथ जनपद कौशाम्बी के परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया गया एवं ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को व अन्य संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए ।

पटाखा मार्केट का अधिकारियों ने किया स्थलीय निरीक्षण साइबर कैफे संचालकों के साथ बैठक

कौशाम्बी। आगामी त्यौहार धनतेरस, दीपावली एवं गोवर्धन पूजा के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह द्वारा उपजिलाधिकारी मंझनपुर एसपी वर्मा व एफएसओ मंझनपुर के साथ थाना मंझनपुर क्षेत्रांतर्गत लगने वाली पटाखा मार्केट का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, अग्निशमन व्यवस्था तथा यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

ज्ञात हो कि क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह द्वारा थाना करारी पर थाना क्षेत्रांतर्गत संचालित साइबर कैफे संचालकों के साथ बैठक की गई।इस दौरान क्षेत्राधिकारी द्वारा साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन ठगी के तरीकों, एवं आई.जी.आर.एस. पोर्टल की कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।सभी साइबर कैफे संचालकों को यह निर्देशित किया गया कि वे अपने प्रतिष्ठान में आने वाले व्यक्तियों का उचित सत्यापन कर ही ऑनलाइन कार्य करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

पीएम-सेतु योजना के तहत आईटीआई बिजनौर और मेरठ बनेगा हब
युवाओं को मिलेगा बेहतर प्रशिक्षण और रोजगार-जयन्त

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। पीएम-सेतु योजना के प्रथम चरण के तहत, उत्तर प्रदेश के बिजनौर और मेरठ में आईटीआई को हब के रूप में अपग्रेडेड किया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर, दो हब-एंड-स्पोक क्लस्टरों की पहचान की गई है।

पहला प्रस्तावित क्लस्टर बिजनौर में है, जिसमें सरकारी आईटीआई बिजनौर को हब इंस्टीट्यूट के रूप में शामिल किया गया है। सरकारी आईटीआई धामपुर, सरकारी आईटीआई मोरादाबाद, सरकारी आईटीआई अमरोहा (जे.पी. नगर) और सरकारी आईटीआई सहारनपुर को स्पोक इंस्टीट्यूट के रूप में प्रस्तावित किया गया है। जबकि दूसरा प्रस्तावित क्लस्टर मेरठ में है, जिसमें सरकारी आईटीआई साकेत, मेरठ को हब इंस्टीट्यूट के रूप में अपग्रेडेड किया जाएगा। सरकारी आईटीआई गाजियाबाद, सरकारी आईटीआई सरधना, सरकारी आईटीआई हापुड़, और सरकारी आईटीआई नोएडा (गौतम बुद्ध नगर) को स्पोक इंस्टीट्यूट के रूप में पहचाना गया है।

वेदांता समूह के खिलाफ वायसराय के आरोपों की जांच के लिए दायर जनहित याचिका खारिज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को अमेरिका की वित्तीय शोध कंपनी वायसराय रिसर्च के वेदांता समूह की कंपनियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच के आग्रह वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। न्यायालय ने पूछा, 'भारत के बाहर की कंपनियां इस बात को लेकर इतनी चिंतित क्यों हैं कि हम अपना कामकाज कैसे चलाते हैं?'

न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की पीठ ने शक्ति भाटिया नामक एक वकील की जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा था कि भाटिया अपनी याचिका वापस ले लेंगे। केंद्र, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वायसराय रिसर्च एलएलसी एक शॉर्ट-सेलर है और याचिकाकर्ता सिर्फ 'मशहूर होना' चाहते हैं।

इसके बाद पीठ ने पूछा, 'भारत के बाहर की ये कंपनियां इस बात को लेकर इतनी चिंतित क्यों हैं कि

हम अपना कामकाज कैसे चलाते हैं और किस कानून के तहत चलाते हैं?'

मेहता ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर होने के तुरंत बाद वायसराय के सेबी चेयरमैन और अन्य अधिकारियों को लिखे गए एक ईमेल का हवाला देते हुए कहा कि इन संस्थाओं की ''बिल्कुल भी विश्वसनीयता नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'यह एक सुनियोजित तरीका है, जहां बाहरी एजेंसियां रिपोर्ट बनाती हैं और भारतीय शेयर बाजार को प्रभावित करती हैं।' शंकरनारायणन ने दलील दी कि याचिका में राहत के लिए जो अनुरोध है, वह बहुत सीमित है और इसमें केवल यह आग्रह किया गया है कि सेबी और आरबीआई आरोपों की जांच करें और आवश्यक कार्रवाई करें।

शंकरनारायणन ने यह भी कहा कि वह वायसराय के तरीकों का समर्थन नहीं करते हैं और सिर्फ चिंताओं को दूर करना चाहते हैं, और सेबी बताई गई अनियमितताओं की जांच कर सकता है।

मेहता ने कहा कि ऐसी कंपनियां रिपोर्ट जारी करके और फिर मुकदमेबाजी के जरिए अपने प्रभाव को बढ़ाकर भारतीय कंपनियों और बाजारों को अस्थिर करने की कोशिश करती हैं।

उन्होंने कहा, 'देश की शीर्ष अदालत को यूं ही नहीं चलाया जा सकता। एक कड़ा संदेश देने के लिए इस याचिका को खारिज किया जाए।'

पीठ ने कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता अपनी जनहित याचिका वापस लेना चाहता है, इसलिए अदालत इस पर आगे विचार नहीं करना चाहेगी।

इससे पहले, उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन ने इस मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था।

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि एवं दलहन मिशन योजना किसानों को मिला लाभ

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में प्रधानमंत्री द्वारा शुभारंभ की जा रही प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना एवं दलहन मिशन योजना का लाइव प्रसारण शुक्रवार को अंबेडकर सभागार, विकास भवन में पूर्वाह्न 10 बजकर 30 बजे से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक सदर श्यामधनी राही की उपस्थिति में चुने गए कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं मिनी किट का वितरण दिया गया। विधायक द्वारा मिनी किट एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित करते हुए किसानों को जागरूक किया गया।कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, सहायक निदेशक (मत्स्य), पशु चिकित्सा अधिकारी, कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी एवं विभिन्न विकास खंडों के कृषक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री द्वारा शुभारंभ की जा रही योजना का लाइव प्रसारण विकास खंड, राजकीय कृषि बीज भंडार एवं ग्राम पंचायत स्तर पर भी आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों एवं किसानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

डीएम व एसपी ने राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा.)परीक्षा को सकुशल व शांतिपूर्ण संपन्न कराए जाने के लिए परीक्षा केन्द्रों का किया भ्रमण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने शनिवार को उ.प्र.लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा.) परीक्षा-2025 को सकुशल व शांतिपूर्ण संपन्न कराए जाने के लिए परीक्षा केन्द्र-करारी इण्टर कॉलेज आदि का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायज लिया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने भ्रमण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सी.सी.टी.वी. की क्रियाशीलता सुनिश्चित रखी जाय। उ.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन कर परीक्षा सकुशल संपन्न कराई जाय। किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाय।

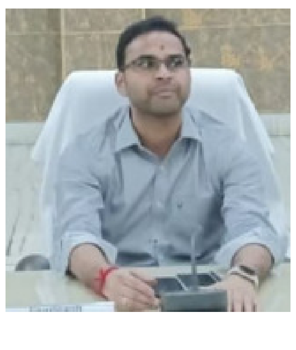

एसपी व डीएम द्वारा जिला कारागार का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा शनिवार को जिलाधिकारी कौशाम्बी मधुशूदन हुल्गी के साथ जिला कारागार कौशाम्बी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

ज्ञात हो कि निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों द्वारा बंदियों से संवाद स्थापित कर उनकी सुविधाओं एवं समस्याओं की जानकारी ली गई। साथ ही जेल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, प्रतिबंधित सामग्री के प्रवेश पर रोक लगाने, तथा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक व संबंधित अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

थाना समाधान दिवस के आयोजन में डीएम ने सुनी फरियादियों की समस्या

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले शासन की मंशा के अनुरूप थाना समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर के नेतृत्व मे निखिल चक्रवर्ती उपजिलाधिकारी व मयंक द्विवेदी पुलिस क्षेत्राधिकारी बाँसी व अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष की उपस्थिति मे थाना खेसरहा परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया । जिसमें पूर्व से लम्बित चल रहे राजस्व के भिन्न भिन्न प्रकरण के प्रार्थना पत्र एवं भूमि विवाद से सम्बन्धित प्रार्थना पत्र की जांच की गयी, एवं मामलो के निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस टीम की संयुक्त टीम गठित किया गया। थाना समाधान दिवस में चार प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें से दो प्रार्थना पत्र का निस्तारण हुआ मौके पर राजस्व निरीक्षक, हल्का के राजस्व लेखपाल व बीट पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहें ।

रायबरेली में भीड़ के हमले में मारे गए हरिओम के परिजनों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

लखनऊ **(एजेंसी)**। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले के ऊंचाहार इलाके में भीड़ के हमले में मारे गए अनुसूचित जाति (दलित) के व्यक्ति हरिओम वाल्मीकि के परिजनों ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। दूसरी तरफ कांग्रेस ने दावा किया कि पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष को पीड़ित परिवार से मिलने जाने से रोक दिया गया।

रायबरेली के ऊंचाहार इलाके में दो अक्टूबर को चोर समझकर फतेहपुर जिले के मूल निवासी दलित व्यक्ति हरिओम वाल्मीकि की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने अब तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि रायबरेली की ऊंचाहार विधानसभा सीट के विधायक मनोज पांडेय के साथ हरिओम वाल्मीकि की पत्नी संगीता वाल्मीकि ने अपने पिता छोटे लाल एवं बेटी अनन्या के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार के साथ अपनी संवेदना व्यक्त की। बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने हरिओम बाल्मिकी के परिवार को न्याय, सुरक्षा और सशक्तीकरण का मजबूत आश्वासन दिया है।

बयान के अनुसार शनिवार शाम लखनऊ में मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद संगीता बाल्मीकि ने कहा , 'बाबा सिर्फ आप ही हैं जो दलितों की रक्षा कर सकते हैं। हम सरकार और पुलिस की कार्रवाई से पूरी तरह संतुष्ट हैं और न्याय मिलने का विश्वास है।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिया जाएगा तथा संगीता बाल्मिकी को उनके कार्यस्थल पर स्थायी नौकरी दी जाएगी और सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं से परिवार को लाभ पहुंचाया जाएगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि घटना के 24 घंटे के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी हो गई क्योंकि दलितों, वंचितों और शोषितों की सुरक्षा और सम्मान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरिओम बाल्मीकि मामले में राज्य सरकार न्यायालय में प्रभावी पैरवी करेगी और आपोरियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलायेगी।

शिल्प मेले में बिखरी लोककला की छटा

लोकगीत, सूफी संगीत और नृत्य की सुरमई शाम ने बांधा समां

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एनसीजेडसीसी का मुक्ताकाशी मंच रविवार की शाम लोक कलाओं की प्रस्तुतियों से जगमग हो उठा। लोकगीत और सूफी गीतों ने श्रोताओं को खूब झुमाया। उधर शिल्पहाट में शिल्प उत्पाद के स्टाल और खूशबू उड़ाते व्यंजनों का स्वाद चखने को भी लोग उतावले दिखे। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत आयोजित दीपावली शिल्प मेले की सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. के.बी. पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष, लोकसेवा आयोग, प्रयागराज तथा केंद्र निदेशके सुदेश शर्मा ने दीप जलाकर किया।

लोकगायक अजय तिवारी ने अपने बिरहा अंदाज़ में 'हम वन को चले पग बंदन है', 'अब जश्न मनाना आँगन में' और 'जब भरत सर पे ताज बँधे घी के दीप जलाना आँगन में' जैसे गीतों से वातावरण को भक्ति और उल्लास से भर दिया।

इसके बाद लोकगायिका संदीपमा वर्मा ने अपनी मधुर आवाज़ में 'बड़ा सुंदर है मैया का धाम', 'राम को देखकर जनकनंदिनी', 'लागल जनकपुर में मेला' और 'लुकछुप के बदरा में चमके जैसे चंदा' जैसे गीत प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं।

सांस्कृतिक संध्या के मुख्य आकर्षण रहे युवा गायक ईशान मिश्रा, जिन्होंने एक से बढ़कर एक सूफी गीतों की लड़ी पेश की 'तू माने ना माने दिलदारा', 'कहूं क्या तेरे भूलने के', 'ओ रंगरेज़ तेरे रंग दरिया में' और 'दिल पे ज़ख्म खाते हैं, जान से गुजरते हैं' जैसे गीतों से श्रोताओं को सूफियाना रंग में रंग दिया। उनके सुरों ने दर्शकों को देर रात तक मंच से बांधे रखा।

लोकनृत्य की प्रस्तुति में कपिल दुबे एवं साथियों ने 'बधाई-नौरता नृत्य' की मनोहारी प्रस्तुति देकर दर्शकों से खूब वाहवाही पाई। कार्यक्रम का कुशल संचालन रुचि दुबे ने किया।

जगदगुरु नारायणाचार्य स्वामी शाडिल्य महराज के नेतृत्व में निकली यात्रा

सनातन पर हमला बर्दाश्त नहीं : स्वामी शाडिल्य

सनातन धर्म पर हो रहे कुठाराघात पर आकोश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सनातन धर्म पर लगातार हो रहे कुठाराघात को रोकने और सनातन धर्म को आगे बढ़ाने के लिए श्रृंगवेरपुर धाम के पीठाधीश्वर श्रीमदजगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी नारायणजी स्वामी शाडिल्य महाराज के सानिध्य में सनातन यात्रा आज श्रृंगवेरपुर से निकाली गई और सनातन धर्म का विरोध करने वालों को कठोर शब्दों में चेतावनी दी गयी। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म आदि अनादि काल से चला आ रहा है जो चलता रहेगा लेकिन विरोध करने वाले कही ठहरते नही है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के खिलाफ जो भी गलत बयानबाजी और विरोध करेगा उसके खिलाफ संत समाज सडक पर उतरकर व्यापक स्तर पर विरोध करेगा।

सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के निमित्त मर्यादा पुरुषोत्तम राम और निषाद राज गुह्य की मिलन स्थली पौराणिक श्रृंगवेरपुर से सृष्टि निर्माण स्थली दशाश्वमेध घाट तक सनातन यात्रा निकाल कर सनातनियों का धर्म कि रक्षा के लिए आह्वाहन किया गया। वैष्णव आश्रम निकेतन श्रृंगवेरपुर में श्रृंगवेरपुर धाम के पीठाधीश्वर श्रीमदजगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी नारायणाचार्य शाडिल्य जी महाराज के सानिध्य में निकाली गई सनातन यात्रा में हजारों सनातनी शामिल हुए। वैदिक मन्त्रोंचार के साथ यह यात्रा श्रृंगवेरपुर आश्रम कठुआ पुल से शुरू हुई उसके पश्चात् श्रृंगवेरपुर राम घाट पहुच कर विधिवत गंगा पूजन कर यात्रा प्रारम्भ की गई। नवाबगंज टोल से होते हुए यात्रा दशाश्वमेध घाट, दारागंज पर वैदिक रीति से गंगा पूजन कर ब्रह्मा जी के द्वारा स्थापित दशाश्वमेध महादेव का जलाभिषेक किया गया।

सनातन यात्रा का रास्ते में जगह - जगह फूल मालाओ से भव्य स्वागत किया गया। विश्व में सनातन की पताका हमेशा ऊंची रहे ऐसी कामना महादेव से की गई।

डॉ लोहिया की पुण्यतिथि पर सपा जनों ने दी श्रद्धांजलि

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। समाजवाद के प्रणेता, स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाले, सप्त क्रांति के जनक डॉ राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर आज समाजवादी पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों ने पी डी पार्क चौराहे सिविल लाइन्स स्थित उनकी प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकरश्रद्धांजलि देते हुए नमन किया। तत्पश्चात पार्टी के जिला कार्यालय जार्ज टाउन में गोष्ठी आयोजित करके उनके विचारों पर चलने का संकल्प दोहराया।

एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, यमुनापार अध्यक्ष पप्पूलाल निषाद, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन आदि वक्ताओं ने कहा की डॉ लोहिया ज़ी की समाजवादी विचारधारा को सपा संस्थापक मा मुलायम सिंह यादव ने आत्मसात करते हुए उसे कार्य रूप में परिणीति कर समाज की भलाई के लिये आजीवन काम किया।दोनों महापुरुषों की संघर्ष यात्रा को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान में सपा प्रमुख मा अखिलेश यादव ज़ी पूरे देश में समाजवाद का परचम बुलंद करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। डॉ लोहिया ज़ी के विचारों पर चलकर समाजवादी पार्टी आज देश की तीसरी बड़ी ताकत के रूप में उभरी है।

नयी पीढ़ी को उनकी विचारधारा को जानने के लिये उनके साहित्य पढ़ने और वरिष्ठ समाजवादी नेताओं के सानिध्य में रहकर प्रेरणा लेने की अपील भी की।

इस मौके पर प्रमुख रूप से एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, अनिल यादव, इफ़्तेख़ार हुसैन, पप्पूलाल निषाद, विधायक श्रीमती विजमा यादव, हाकिम लाल बिन्द, संदीप पटेल, गीता शास्त्री, पूर्व मंत्री अंसार अहमद, हाजी परवेज अहमद, मुजतबा सिद्दीकी, पंधारी यादव, नरेन्द्र सिंह, कृष्ण मूर्ति सिंह, अमरनाथ मौर्य, संदीप यादव, रविन्द्र यादव, जगदीश, रामसुमेर पाल, गीता भारतीय, महबूब उस्मानी, दान बहादुर मधुर, राजू पासी, सचिन यादव, रिटा. मेजर दिनेश यादव, रमाकांत पटेल, पंकज पटेल, दूध नाथ पटेल, महेन्द्र निषाद, आर.एन.यादव, मृत्युंजय पाण्डेय, सुरेश श्रीवास्तव, शांति प्रकाश पटेल, नाटे चौधरी, खिन्नी लाल पासी, मो हामिद, संतोष यादव, योगेश पाल, ओ. पी.पाल, कुलदीप यादव, इंजी विक्रम सिंह, अरुण यादव, हरिश्चन्द्र, मकबूल हासमी, दिलीप यादव, सुधीर निषाद, नीरज वर्मा, विनय मौर्य, आदि मौजूद रहे।

डांडिया क्वीन विजेता बनी कल्पना पाठक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सनातन एकता मिशन की ओर से डांडिया का कार्यक्रम सुंदरम कांटिनेंटल होटल में आज आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नृत्य, गरबा, डांडिया क्वीन, आदि अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें डांडिया क्वीन प्रतियोगिता की विजेता श्रीमती कल्पना पाठक थी। डांडिया कार्यक्रम में श्रद्धा पांडे, पुष्पा शुक्ला, कुमुद चतुर्वेदी, सुधा, सुनीता, संध्या, सुमन, शुभा, नीलम, रामेश्वरी, गुंजन, मानसी आदि कई महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डांडिया क्वीन विजेता श्रीमती एग्स्ज।ब पाठक ने सभी महिलाओं के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न होने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

मेजा ऊर्जा निगम द्वारा युवाओं के लिए कौशल विकास की पहल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मेजा ऊर्जा निगम (प्रा.) लिमिटेड ने अपने नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कल्याणकारी पहल के रूप में परियोजना के आसपास स्थित 7 ग्राम सभाओं से चयनित 130 युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीपेट), लखनऊ के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस समझौते के तहत चयनित युवाओं को उद्योगों की वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए रोजगारोन्मुख तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मशीन ऑपरेटर (प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग), मशीन ऑपरेटर (इंजेक्शन मोल्डिंग) तथा मशीन ऑपरेटर (टूल रूम) जैसे कौशल-आधारित पाठ्यक्रम शामिल हैं। इन प्रशिक्षणों का उद्देश्य युवाओं को आधुनिक तकनीकी दक्षताओं से सुसज्जित कर उन्हें स्वरोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र में बेहतर अवसरों के लिए तैयार करना है।

यह हस्ताक्षर समारोह मेजा ऊर्जा निगम के वरिष्ठ अधिकारियों अविजित चटर्जी, सीजीएम (तकनीकी सेवाएँ) एवं अमित रौतेला, सीएफओ (वित्त) की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर निगम की ओर से विवेक चंद्रा, अपर महाप्रबंधक (मा.स.), अजय सिंह, उप महाप्रबंधक (मा.स.), तथा सिपेट की ओर से कृष्ण प्रताप सिंह, विभागाध्यक्ष (कौशल विकास) उपस्थित रहे।

गंगापार के पहले सीटी स्कैन सेंटर का शुभारम्भ

अब गंगापार में मरीजों को मिलेगी सुविधा, समय और पैसे की होगी बचत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। गंगापार के झूंसी स्थित कटका चक्र चौराहे पर मरीजों को अब सीटी स्कैन की सुविधा आज से मिलेगी। जिले के प्रसिद्ध सर्जन एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सुनील विश्वकर्मा, सिनर्जी स्कैनिंग सेंटर के संचालक प्रखर रवि टोनू, प्रबंधक पंकज सिंह ने संयुक्त रूप से सिनर्जी स्कैनिंग सेंटर का शुभारम्भ किया। प्रसिद्ध सर्जन एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सुनील विश्वकर्मा ने बताया कि सिनर्जी स्कैनिंग सेंटर, गंगापार का पहला ऐसा अत्याधुनिक मशीनों से युक्त स्कैनिंग सेंटर है, जहां एक ही छत के नीचे सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, कलर डॉपलर, 2D इको, ईसीजी, पीडियाट्रिक एवं एडल्ट जांचे, हाई रेजोल्यूशन सोनोग्राफी, बायोप्सी समेत पैथॉलाजी की सभी जांचे उपलब्ध कराई गई है। प्रबंधक पंकज शर्मा ने बताया कि इससे पहले जिले प्रयागराज के शहरी इलाकों में यह सुविधा उपलब्ध थी। वहां मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता था। जिला मुख्यालय से गंगापार गांवों से लगभग 30 किलोमीटर दूर है। इस दूरी के कारण मरीजों को समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती थी।

'महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर में प्रदर्शनी का आयोजन

प्रदर्शनी से वैज्ञानिक सोच को मिलता है बढ़ावा : प्रो रमाशंकर

ज्ञानवर्धन के साथ बच्चों का बढता है आत्मविश्वास : प्रो कृष्णा गुप्ता

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर में प्रदर्शनी का आयोजन आज किया गया। एक बेहतर भविष्य की दिशा में कला और विज्ञान का एकीकरण'' विषय पर आधारित प्रदर्शनी में 12 तक के छात्र- छात्राओं ने वैज्ञानिक समझ , खोजी प्रवृत्ति और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। दीप प्रज्वलन की सांस्कृतिक परम्परा के साथ प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि एमएनएनआईटी के डायरेक्टर प्रो रमाशंकर वर्मा, विद्यालय की सचिव प्रो कृष्णा गुप्ता, कोषाध्यक्ष रवीन्द्र गुप्ता, नासी के कार्यकारिणी सदस्य संतोष शर्मा, प्रबन्ध समिति के सदस्य यशोवर्धन एवं श्रमती रेखा वैद्य, प्रधानाचार्या श्रीमती अल्पना डे एवं शिक्षक शामिल हुए।

मुख्य अतिथि एमएनएनआईटी के डायरेक्टर प्रो रमाशंकर वर्मा ने प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया। बच्चों ने विज्ञान, पर्यावरण, अंतरिक्ष, कृषि, रोबोटिक , गणित, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान और कम्प्यूटर विषयों पर आधारित मॉडल्स, प्रोजेक्ट्स और प्रयोगों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में विद्यालय के कक्षा एक से पांच तक के नवांकुरों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस दौरान परिवहन के प्रकार, प्रोजेक्टर, रॉकेट लौन्चर, जल के स्रोत , आहार पिरामिड एवं बीज अंकुरण जैसे विषयों पर सुन्दर मॉडल्स बनाकर सभी को आकर्षित किया। कक्ष छः से आठ तक के बच्चों ने रोबोटिक भुजा , जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक खेती, कचरे के रस से विद्युत उत्पादन जैसे विषयों पर विभिन्न प्रकार के प्रोजेक्ट्स बनाकर अपनी वैज्ञानिक सोच का सुन्दर प्रदर्शन किया। कक्षा नौ से 12 तक के विद्यार्थियों ने हाइड्रोलिक लिफ्टिंग , मीथेन उत्पादन , उर्ध्वाधर खेती , अग्नि शमन रोबोट जैसे विषयों पर परियोजनाओं के माध्यम से सभी को आश्चर्यचकित किया ।

मुख्य अतिथि प्रो रमाशंकर वर्मा ने विद्यार्थियों की सरहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी ना केवल बच्चों की प्रतिभा को मंच देती है बल्कि उनमें वैज्ञानिक सोच और समस्या समाधान की क्षमता को भी बढ़ावा देती है ।

डा लवकुश बने असिस्टेंट प्रोफेसर, दी बधाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। डॉ लवकुश यादव का इलाहाबाद डिग्री कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयन हुआ है। डा लवकुश यादव प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के वरिष्ठ कर्मचारी रमेश चंद्र यादव सुपरवाइजर है। झूंसी, नैका निवासी डा लवकुश यादव की शिक्षा इफको फूलपुर से हुई है। पीएचडी इविवि से हुई है। इसके पूर्व राजकीय इण्टर कालेज लोहरा, बांदा मे प्रभारी प्रधानाचार्य थे। डा लवकुश के असिस्टेंट निवासी नैका महीन झूंसी के बेटे है। डॉ लवकुश यादव के असिस्टेंट प्रोफेसर बनने पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष आलोक अगवाल, महामंत्री विजय शंकर शुक्ला, सत्यदेव त्रिपाठी, रानू श्रीवास्तव, सुधांक मिश्रा, जिलेदार, गुलाब चन्द्र सहित अन्य लोगों ने बधाई दिया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयदशमी महोत्सव का समापन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आज प्रयाग दक्षिण के केशव नगर के भगवती शाखा में किया गया जिसमें विभाग कुटुंब प्रबोधन प्रमुख श्रीमान बाल कृष्ण जी ने अपने उद्बोधन में कहां बच्चों के साथ सामूहिक रूप से कार्य करें और भजन और भोजन कम से कम सप्ताह में एक बार सामूहिक रूप से करें इसका चिंतन बताया गया है कि जब आपके परिवार का हर सदस्य के विचार अपने संघ के अनुरूप हो जाएंगे मतलब संघ जिस तरह के विचार पूरे समाज को देना चाहता है संघ यह नहीं कहता कि सभी स्वयं से जितने भी राष्ट्र के तीन प्रतिशत लोग गणवेश पहन के हमारे यहां आ जाएं यह चाहता है कि हमारे विचारों को समाज तक ले जाने वाले जो कार्यकर्ता है वह हर घर तक पहुंच के और उन विचारों से आत्मसात कर दें, तो वह कार्य हमें करना है और वह कार्य अपने परिवार अपने रिश्तेदार अपने पड़ोसियों अपने संबंधियों के माध्यम से इन पांच बिंदुओं के द्वारा पूरे समाज के लिए कार्य करना है इसी तरह से जितने भी कार्यक्रम दिए गए हैं अभी पहले नवंबर से लेकर 30 नवंबर तक घर-घर संपर्क का कार्यक्रम है , उस घर-घर के संपर्क के कार्यक्रम में कुछ पत्रक आएंगे जो की मूल्य रहित होंगे, कुछ रहेंगे, कुछ पुस्तक रहेगी, जिनका मूल्य रहेगा तो हर घर तक जाकर उनसे आग्रह करना है कि हिंदू सम्मेलन में जो अगला कार्यक्रम आएगा, हिंदू सम्मेलन का निमंत्रण देना है अक्षत और पत्रक के माध्यम से उनको हिंदू सम्मेलन के लिए बुलाना है, उनके प्रत्येक घर में हमें जाना है अब आप समझने की पूरे समाज में एक लाख का नगर है एक लाख में करीब 2000 तो घर होंगे 2000 घर में हमें पहुंचने के लिए और हर घर में वह पत्रक देना है अक्षत का निमंत्रण देना है कितना बड़ा कार्य है और कितना कहां तक हम लोग कर पाएंगे क्योंकि राम मंदिर वाला जो कार्यक्रम किए थे वह कार्यक्रम भगवान का कार्यक्रम होने के कारण से उसमें समाज के बहुत से लोग लग गए थे, लेकिन इस कार्यक्रम में समाज की सहभागिता होगी अगर हम लोग उनसे आग्रह करेंगे लेकिन स्वतः कोई आकर इस कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं होगा । यह बहुत कठिन कार्य है, घर-घर संपर्क का जो काम 01 नवंबर से 30 नवंबर तक चलेगा उसमें भी हर स्वयं सेवक को और समय देना पड़ेगा फिर उसके बाद हिंदू सम्मेलन का जो कार्यक्रम होगा यह कार्यक्रम बस्ती और नगर सह होने हैं तो इसमें भी बहुत ऊर्जा लगानी पड़ेगी, फिर सामाजिक सद्भाव और प्रबुद्ध गोष्टी यह नगर सा कुछ कार्यक्रम होंगे तो इसमें भी एक-एक महीने के कार्यक्रम है , फिर उसके बाद अंतिम जो कार्यक्रम सर्वत्र शाखा है कि हर बस्ती में दो-दो कम से कम या एक-एक शाखा हर गांव तक हर मंडल में शाखा हो जाए ऐसा हम सबको प्रयास करना है तो शहरी क्षेत्र में तो थोड़ा सा आसान है लेकिन जिस गांव में जहां पर गांव में 2 किलोमीटर से 5 किलोमीटर तक लोग जाते हैं तो हर गांव हर पंचायत में वहां का कार्य बहुत दूर है लेकिन संघ के स्वयंसेवकों ने अगर निश्चय किया है कि इस कार्य को करेंगे तो निश्चय ही क्योंकि अभी देखेंगे कि कितने जगह पर पद संचलन का यह कार्य चल रहा है ऐसा लगता था कि यह कार्य बहुत कठिन है लेकिन स्वयंसेवकों ने पूरे तन मन धन से इस कार्यक्रम को सफल बनाया है। इसी तरह कैसे सभी कार्यक्रम आगे और अच्छी तरह से हो हम सबको आज संकल्प लेने का भी यह दिवस है क्योंकि हम लोगों के जीवन में अब दूसरा 100 वर्ष नहीं आएगा ना पहले जो 1925 में थे ना 2125 में हम लोग रहेंगे तो यह हम लोगों का सौभाग्य है कि हम लोग इसमें सहभागी बन पा रहे हैं इतना और स्वयंसेवक जो पीछे चले गए कितना संघर्ष करके वह भी 100 साल का यह कार्यक्रम नहीं बना पाए लेकिन हम लोगों का यह बहुत बड़ा सौभाग्य है कि हम सब इसके साक्षी बना रहे हैं और इसमें अपना जोअगले हम सभी कार्यक्रम में हम पूरे तन मन धन से लगेंगे और इस वर्ष भर के जो कार्य कार्यक्रम है इनको सफल बनाने में हमारा पूरा सहयोग रहेगा

केशव नगर संघचालक राजेंद्र जी ने अपने उद्बोधन में कहा जैसे गंगा जी गंगोत्री से निकलती है और वह लगातार प्रवाहित हो करके अविरल चलती हुई समुद्र में समाती है इस तरह से मोहितेबड़ा नामक स्थान नागपुर से संघ की स्थापना डॉक्टर साहब के द्वारा हुई इसको लेकर के हम राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाएंगे और उसमें हिंदू संगठन की अनुषांगिक अनुशासन से युक्त और प्रभावी संगठन के माध्यम से कार्य होना है उसी के लिए तब से आज तक शतक शाखा के रूप में हम लोग दो लोग चार लोग 10 लोग एक घंटा निरंतर प्रातःकाल समय देकर के भारत माता की जय बोलते हैं और कैसे भारत माता परम वैभव की ओर जाएं इसके लिए प्रार्थना करतें, संगठन और अनुशासन है तो जीत निश्चित है । महाभारत इसका साक्षी है महाभारत में पांच पांडव थे। रामायण काल है रावण के कितने लोग थे और भगवान राम के केवल बंदरों की थी लेकिन उनकी एक आजा पर सब लोग कार्य करने वाले लोग कोई मतभेद नहीं और इसी को जय में रख करके कि हमारे यहां अनेक विचारक है हमारे यहां की धरती अन्नपूर्णा है। अनेक विद्वान है लेकिन हमारे यहां परंपराएं जो है वह अलग अकेले गंगा स्नान किया अकेले पूजा करने की है और हम अपने स्वास्थ्य को महत्व देते हैं तो संगठन में स्वास्थ्य का कोई महत्व नहीं होता अपने अस्तित्व को मिटा करके जैसे गंगाजल जी की धारा चलती वह अमृत चलते रहते हैं इस तरह से हमारी शाखाएं चल रही है और उसी का कारण है कि हम सफल बढ़ते गए हैं और आज हमारा राष्ट्र जो है पूरे संस्कृत का संसार को मार्गदर्शन की भूमिका में आ रहा है और यह कब तक आएगा जब तक हमारी यह संगठन शक्ति है ।डॉक्टर साहब ने कहा संगठन के संगठन ने किसी उद्देश्य की पूर्ति के लाभ से संबंध नहीं बंद हो जाएगा हमेशा चलता रहेगा और जितना सशक्त रहेगा उतना ही भारतीय बलवान बनेगा समृद्ध बनेगा और विश्व गुरु के स्थान पर जो था वह जाएगा बहुत कुछ कह दिया है हम लोग रोज शाखा पर आते हैं आज अपनी जो संशोधित शक्ति है उसको प्रदर्शन करने का मौका है मोहल्ले में जाएंगे और कदम मिलाकर के चलेंगे और दिखाएंगे एक साथ उठेंगे एक साथ बैठेंगे एक साथ भोजन करेंगे एक साथ विचार करेंगे हमारा एक विचार होगा तो कोई ऐसी ताकत नहीं है जो कि हमको परम वैभव और राष्ट्रीय गुरु के पद पर मुझे रोक सके और आप सब लोग इसी में रहते हो आज हमारे विजयादशमी का यह समापन जो 12 से 15 दिन का समापन का दिवस है।

कार्यक्रम का संचालन मुख्य शिक्षक अनिल जी ने किया, अतिथि परिचय शाखा कार्यवाह गिरीश जी ने, योग का संचालन नागेंद्र जी ने, एकल गीत विनोद जी ने किया इसके बाद पद संचलन प्रारम्भ हुआ जो दुर्गा पार्क शहरारा बाग से प्रारंभ हो कर, मोती महल, नारायण सिंह नगर, जॉनसेनगंज, चमेली बाई धर्मशाला, साउथ मलाका , से वापस शहरारा बाग आ कर समाप्त हुआ । रास्ते में पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवक का अभिनंदन किया गया ।कार्यक्रम में सम्पूर्ण कार्यकारिणी, स्थानीय नागरिक, मातृशक्ति उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

मतदाता सूची से जुड़े सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं आ सके सामने निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण के बाद जारी की थी अंतिम सूची

बिहार में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अब भी मतदाता सूची से जुड़े सवालों के संतोषजनक जवाब सामने नहीं आ सके हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को इस संबंध में निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करने की जरूरत पड़ रही है। हालांकि अदालत की ओर से दिए गए निर्देश आयोग के अपने दायित्व में शामिल होने चाहिए थे। हाल ही में निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण की कवायद के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की थी। अब उसमें बाहर किए गए मतदाताओं की संख्या और उनके अधिकारों को लेकर फिर से सवाल उठे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने साफ कहा कि अंतिम मतदाता सूची से जिन तीन लाख छियासठ हजार लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन सबको अपील करने का उचित अवसर दिया जाए। अदालत के मुताबिक, प्रभावित लोगों के पास सिर्फ एक पंक्ति का कोई जटिल आदेश नहीं, बल्कि विस्तृत ब्योरा होना चाहिए कि उनके नाम क्यों शामिल नहीं किए गए।

देश में बहुत सारे लोगों के लिए सरकारी आदेशों की जटिल भाषा समझना कोई आसान काम नहीं है। सिर्फ इस वजह से कितने लोग अपने वाजिब और कानूनी अधिकारों से वंचित हो जाते हैं, यह शोध का विषय है। ऐसे में जब चुनाव के दिन अब बहुत कम रह गए हैं, निर्वाचन आयोग की ओर से आम लोगों को किसी ऐसी भाषा में आदेश दिया जाता है, जो उनकी स्थिति की सटीक और आसान व्याख्या नहीं करता है या वे उससे संतुष्ट नहीं होते हैं, तो उन्हें समझने के लिए आयोग ने क्या व्यवस्था की है।

यों भी, अगर किसी व्यक्ति को यह जानकारी नहीं है कि उसका नाम मतदाता सूची से क्यों हटाया गया, तो इस मसले का हल नहीं निकल सकता। फिर अंतिम सूची से हटाए गए वैसे बहुत सारे लोग हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति या फिर जागरूकता का स्तर यह नहीं है कि वे कानूनी सहायता लेकर अपनी मुश्किल को दूर करने की कोशिश करें। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए शीर्ष अदालत ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से अपने जिला स्तरीय निकायों को यह निर्देश जारी करने को कहा कि वे मतदाता सूची से बाहर किए गए सभी मतदाताओं को निर्वाचन आयोग में अपील दायर करने के लिए मुफ्त कानूनी सहायता करें।

विडंबना यह है कि मतदाता सूची में सिर्फ पात्र और वैध मतदाताओं का नाम बने रहने की जिस कवायद को पूरी तरह विवादरहित होना चाहिए था, वह कई तरह के आरोपों में घिरी दिखती है और एक तरह से यह राजनीतिक मुद्दा बन गई। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में विदेशियों के होने का भी मुद्दा उठा था। अब अंतिम सूची जारी होने के बाद निर्वाचन आयोग से अगर यह पूछा जा रहा है कि कितने विदेशी लोग पाए गए, तो यह अप्रत्याशित नहीं है।

इसके अलावा, अब भी एक ही पते पर कई-कई मतदाताओं के नाम दर्ज होने से लेकर गलत मकान नंबर, अस्पष्ट नाम आदि प्रविष्टियों में गंभीर चूक को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में यह सोचने की जरूरत है कि मतदाता सूची के पूरी तरह शुद्धिकरण के दावे के साथ निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण की जो कवायद की, उसका हासिल क्या रहा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि मतदाता सूची में बने रहने के लिए निर्वाचन आयोग ने जिस तरह आधार कार्ड को अमान्य कर दिया था, अगर सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से उसे एक स्वीकार्य दस्तावेज नहीं बताया गया होता, तो कितने और लोग मतदाता सूची से बाहर होते।

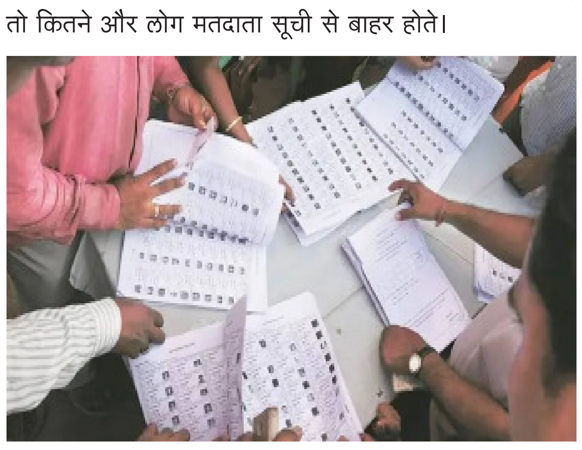

मोदी की मेहनत रंग लाई, ब्रिटेन के लिए भारत अब सिर्फ बाजार नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदार बन गया है

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर का भारत दौरा दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार और शिक्षा क्षेत्रों में एक नई रणनीतिक गहराई का प्रतीक बन गया। स्टारमर ने अपने पहले दौरे पर मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और दोनों देशों ने संयुक्त रूप से भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) को आगे बढ़ाते हुए 3.5 करोड़ पाउंड के मिसाइल आपूर्ति अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता केवल आर्थिक सहयोग का नहीं, बल्कि सामरिक साझेदारी का भी एक स्पष्ट संदेश है।

हम आपको बता दें कि भारत और ब्रिटेन के बीच 3.5 करोड़ पाउंड (लगभग 468 मिलियन डॉलर) का जो मिसाइल आपूर्ति अनुबंध हुआ है उसके तहत यूके निर्मित हल्की बहुउद्देशीय मिसाइलों की आपूर्ति की जाएगी। थेल्स यूके द्वारा निर्मित हल्की बहुउद्देशीय मिसाइलें भारतीय सेना की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होंगी, जैसे कि विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों को निशाना बनाना। इससे भारतीय सेना की सामरिक क्षमताओं में वृद्धि होगी और विभिन्न युद्ध परिस्थितियों में उनकी प्रभावशीलता में सुधार होगा।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि तीन वर्षों की लंबी बातचीत के बाद जुलाई 2025 में अंतिम रूप दिए गए सीईटीए ने दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार का मार्ग प्रशस्त किया। इसका उद्देश्य न केवल वस्तुओं और सेवाओं के आयात-निर्यात को सुगम बनाना है, बल्कि छोटे और मध्यम उद्यमों को सशक्त करना और युवाओं के लिए रोजगार सृजन को बढ़ावा देना भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि

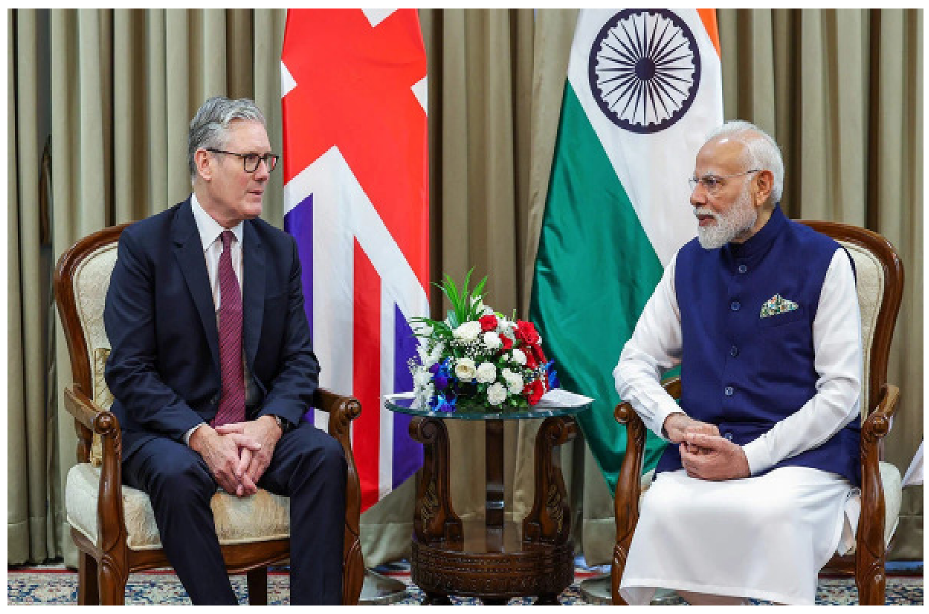

यह समझौता 2030 तक भारत-यूके व्यापार को वर्तमान 56 अरब डॉलर से दोगुना करने में सहायक होगा।

सिर्फ व्यापार ही नहीं, शिक्षा और सांस्कृतिक क्षेत्रों में भी समझौतों का महत्व है। नौ प्रमुख ब्रिटिश विश्वविद्यालय अब भारत में अपने कैंपस खोल रहे हैं, जिससे शिक्षा का आदान-प्रदान बढ़ेगा और भारत में उच्च शिक्षा के स्तर को अंतरराष्ट्रीय मानक पर लाया जा सकेगा। ब्रिटिश फिल्म संस्थान और भारतीय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के बीच समझौते से फिल्म निर्माण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा मिलेगा। ये सभी कदम भारत-यूके रिश्तों को केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी मजबूत करते हैं।

इसके अलावा, 3.5 करोड़ पाउंड के मिसाइल आपूर्ति अनुबंध से स्पष्ट है कि दोनों देश केवल व्यापारिक साझेदार नहीं हैं, बल्कि सामरिक साझेदारी में भी गहराई ला रहे हैं। यह समझौता भारत की सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ ब्रिटेन को भारतीय रक्षा क्षेत्र में रणनीतिक फूठोल्ड प्रदान करता है। वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, जहां भारत-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और चीन जैसी बढ़ती महाशक्ति का संतुलन महत्वपूर्ण है, ब्रिटेन के लिए भारत एक भरोसेमंद साझेदार बन गया है।

प्रधानमंत्री स्टारमर ने भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के समर्थन की भी पुष्टि की, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बढ़ती भूमिका को मान्यता देने के समान है। यह दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और वैश्विक स्थिरता में योगदान को भी रेखांकित करता है।

ऐतिहासिक दृष्टि से देखा जाए तो यह स्थिति अत्यंत दिलचस्प है। एक समय ब्रिटेन भारत पर राज करता था, उसकी संपत्तियों और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करता था। लेकिन अब वही ब्रिटेन आर्थिक और तकनीकी सहयोग के लिए भारत के दरवाजे पर खड़ा है। इसकी प्रमुख वजह भारत का वैश्विक आर्थिक प्रभाव, उभरती मध्यवर्गीय शक्ति, तकनीकी दक्षता और वैश्विक व्यापार में बढ़ता योगदान है। ब्रिटेन की यूरोप और अमेरिका पर निर्भरता कम हुई है और अब उसे भारत की मार्केट, प्रतिभा और सामरिक शक्ति की सख्त आवश्यकता है।

इस बदलाव के कई कारण हैं। पहला, वैश्विक आर्थिक केंद्रों का पूर्व से दक्षिण-पूर्व की ओर शिफ्ट होना। दूसरा, ब्रिटेन की आर्थिक चुनौतियाँ– ब्रेक्सिट के बाद व्यापारिक और निवेश संबंधों में अस्थिरता। तीसरा, रक्षा और तकनीकी सहयोग के लिए नए, विश्वसनीय साझेदार की आवश्यकता। भारत इस परिप्रेक्ष्य में ब्रिटेन के लिए सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक साझेदार बन गया है।

देखा जाये तो आज की वैश्विक राजनीति अस्थिर है। चीन का उदय, रूस-यूक्रेन संघर्ष, मध्य-पूर्व की जटिलताएँ और अमेरिका-यूरोप के आंतरिक दबाव। ऐसे समय में भारत-यूके साझेदारी एक स्थिर और भरोसेमंद विकल्प प्रस्तुत करती है। दोनों देश न केवल व्यापार और रक्षा में सहयोग करेंगे, बल्कि वैश्विक मंचों पर सुरक्षा, लोकतंत्र और आर्थिक विकास के साझा एजेंडे को भी आगे बढ़ाएंगे।

विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र में मिसाइल और तकनीकी सहयोग, शिक्षा क्षेत्र में ब्रिटिश विश्वविद्यालयों के कैंपस और सांस्कृतिक साझेदारी जैसे पहलुओं से स्पष्ट है कि यह साझेदारी केवल आर्थिक हितों तक सीमित नहीं है। यह दोनों देशों के लिए लंबी अवधि की रणनीति का हिस्सा है, जो उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत स्थिति प्रदान करेगा।

देखा जाये तो भारत और ब्रिटेन के रिश्ते अब इतिहास और आधुनिकता का मिश्रण हैं। एक समय ब्रिटेन भारत पर शासन किया करता था, आज वही भारत से सहयोग माँग रहा है। यह बदलाव केवल आर्थिक या सामरिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी गहरा है। सीईटीए, मिसाइल अनुबंध और शिक्षा-सांस्कृतिक समझौते इस बदलती वास्तविकता के प्रतीक हैं।

सामरिक रूप से देखें तो भारत की तकनीकी और रक्षा क्षमता ब्रिटेन के लिए एक अनिवार्य संसाधन बन चुकी है। आर्थिक रूप से भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते दोनों देशों के लिए लाभकारी होंगे। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में यह साझेदारी लोकतंत्र, स्थिरता और वैश्विक व्यापार के साझा मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम है।

बहरहाल, भारत और ब्रिटेन का नया अध्याय सिर्फ व्यापार या रक्षा का नहीं, बल्कि वैश्विक रणनीति, शिक्षा, संस्कृति और तकनीकी सहयोग का भी है। यह साझेदारी दोनों देशों के लिए भविष्य में स्थायित्व, विकास और वैश्विक प्रभाव की गारंटी साबित हो सकती है।

खुद से प्रतिस्पर्धा करने का मतलब है कि हर दिन हमें अपने पिछले दिन से बेहतर बनना, सोशल मीडिया की दुनिया में रचा जाता है संजाल

जीवन एक निरंतर चलने वाली यात्रा है, जहां हर व्यक्ति आगे बढ़ने और सफलता पाने की इच्छा रखता है, लेकिन आज की भाग-दौड़ भरी दुनिया में सबसे बड़ी गलती जो हम करते हैं, वह है दूसरों से अपनी तुलना करना। हम सोचते हैं कि किसी के पास ज्यादा पैसा है, किसी की नौकरी बेहतर है, किसी का घर बड़ा है, किसी की लोकप्रियता अधिक है। और इन सबके बीच हम खुद को छोटा महसूस करने लगते हैं। यह प्रवृत्ति हमारी खुशी को खत्म कर देती है, आत्मविश्वास को तोड़ देती है और हमारे विकास को रोक देती है।

वास्तविकता यह है कि हर व्यक्ति की परिस्थितियां अलग होती हैं। किसी के पास जो है, वह उसके प्रयासों और किस्मत का मिला-जुला परिणाम है। हमारा जीवन, हमारी कहानी, हमारे अवसर बिल्कुल अलग हैं। फिर क्यों हम अपनी तुलना उनसे करें? यह ऐसा ही है जैसे आम और सेब की तुलना करना। दोनों फल अच्छे हैं, लेकिन अपनी-अपनी विशेषताओं के साथ। ठीक उसी तरह हम सब अलग हैं, अपनी अनूठी पहचान के साथ। इसलिए यह समझना जरूरी है कि तुलना की आदत हमें आगे नहीं ले जाएगी, बल्कि यह हमें मानसिक रूप से कमजोर करेगी। जब हम खुद को दूसरों के मानकों से मापते हैं, तो हम अपनी क्षमता को अनदेखा कर देते हैं। इसके बजाय अगर यह ठान लें कि हमें सिर्फ खुद से प्रतिस्पर्धा करनी है, तो हमारी सोच और हमारा जीवन दोनों बदल जाएंगे।

खुद से प्रतिस्पर्धा करने का मतलब है कि हर दिन हमें अपने पिछले दिन से बेहतर बनना है। यही असली विकास है। जब हम दूसरों से नहीं, बल्कि खुद से मुकाबला करते हैं, तो हमारी ऊर्जा सही दिशा में लगती है। तुलना में जो समय और मानसिक शक्ति हम बर्बाद करते हैं, वह हमारी प्रगति को रोकती है। लेकिन जब हम खुद को सुधारने पर ध्यान देते हैं, तो हर दिन हमारे लिए नई सफलता लेकर आता है। यह सोच हमें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाती है। उदाहरण के लिए, अगर आज हमने कल से एक नया शब्द सीखा है, एक अच्छी आदत अपनाई है, एक गलती सुधार ली है, तो यह भी एक जीत है। यह जीत दुनिया को दिखाने के लिए नहीं, बल्कि खुद के विकास के लिए होती है। यही छोटी-छोटी जीत मिलकर बड़ी सफलताएं बनाती हैं।

आज के समय में सोशल मीडिया ने तुलना की बीमारी को और बढ़ा दिया है। हम किसी की सफलता की तस्वीर देखते हैं और तुरंत खुद को कमतर समझने लगते हैं। मगर यह याद रखने की जरूरत है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाला जीवन अधूरा सच है। वहां सिर्फ चमक है, संघर्ष नहीं। जो मेहनत, जो असफलताएं, जो दर्द उस सफलता के पीछे है, वह कोई नहीं दिखाता। इसलिए उन तस्वीरों को देखकर अपनी कीमत आंकने की कोशिश में नहीं लग जाना चाहिए। असली मूल्यांकन तभी होगा जब हम खुद से पूछेंगे कि 'क्या आज मैं कल से बेहतर हूं?'

विडंबना यह है कि सोशल मीडिया जिस तरह का संजाल रचता है, उसमें सबसे पहले इसी बात पर चोट पहुंचती है कि हमारी सोचने की प्रक्रिया बाधित होती है। इसके बाद हम किसी बात पर वस्तुपरक तरीके से मूल्यांकन कर पाने में सक्षम नहीं रह जाते। हर मसले पर यह देखने और अपेक्षा करने में मशगूल हो जाते हैं कि हमारे सामने क्या है और उसमें से क्या हमारे पास नहीं है। इसी क्रम में जब हम इस भाव में थोड़ा ज्यादा डूब जाते हैं, हर वक्त इस पर गौर करने लगते हैं कि सामने के पास जो है, वह हमारे पास होना ही चाहिए, तो यह हमारे भीतर उसे पाने की प्रतिस्पर्धा पैदा करने के बजाय एक प्रकार की हीन भावना भरती है। हम खुद को सामने वाले से कमतर समझने लगते हैं। सवाल है कि आखिर इस तरह तुलना हमें कहां लेकर जाएगी।

खुद से प्रतिस्पर्धा करने का यह सिद्धांत अपनाने के लिए कुछ सरल आदतें अपनानी होंगी। हर दिन अपने लिए छोटे-छोटे लक्ष्य तय किए जा सकते हैं। मसलन, आज तीस मिनट पढ़ना है, एक नया कौशल सीखना है, या किसी से प्यार से बात करनी है। दिन के अंत में खुद से सवाल करना चाहिए कि 'क्या मैंने आज अपने लक्ष्य पूरे किए?' अगर जवाब हां है, तो हम जीत गए। अगर नहीं, तो कल और बेहतर करने का प्रयास कर सकते हैं। यही निरंतरता हमें उदार और बड़ा बनाएगी। दूसरों की सफलता से प्रेरणा लेना गलत नहीं है, लेकिन प्रेरणा और तुलना में फर्क है। प्रेरणा हमें आगे बढ़ने की ताकत देती है, जबकि तुलना हमें पीछे धकेलती है। इसलिए दूसरों को देखकर जलने के बजाय उनसे सीखना चाहिए और खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

याद रखने की जरूरत है कि जीवन की सबसे बड़ी जीत तब होती है, जब हम खुद को जीत लेते हैं। खुद से हार जाना सबसे बड़ी हार है और खुद पर जीत हासिल करना सबसे बड़ी विजय है। जब हम हर दिन खुद को सुधारते हैं, तो हमें न किसी से जलन होती है, न किसी को नीचा दिखाने की जरूरत। तब हम संतोष, आत्मविश्वास और खुशी से भर जाते हैं। तो बहुत सोचने के बजाय आज से यह संकल्प लिया जा सकता है कि अब तुलना नहीं, सिर्फ प्रगति पर गौर किया जाएगा। अब दूसरों को नहीं, खुद को जीतना है। हर दिन खुद को कल से बेहतर बनाना है। यही जीवन का असली मंत्र है, यही सफलता का सबसे सुंदर रास्ता है।

मानसिक तनाव और अवसाद से महिलाओं का जीवन बुरी तरह प्रभावित, कई बार आत्महत्या के रूप में सामने आ रहा परिणाम

भारत जैसे देश में जहां पारंपरिक सोच और आधुनिक जीवनशैली आपस में टकराती हैं, वहां महिलाएं दोहरी चुनौतियों से गुजरती हैं। एक ओर उनसे पारंपरिक भूमिकाएं निभाने की अपेक्षा की जाती है, दूसरी ओर आधुनिक प्रतिस्पर्धी समाज में बराबरी साबित करने का दबाव भी उन पर होता है। यह द्वंद्व की स्थिति उनके मानसिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करती है। पारंपरिक समाज में अक्सर महिलाओं की भावनाओं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे वे अवसाद, चिंता और तनाव जैसी बीमारियों का सामना करती हैं। देश में महिलाओं का अवसाद से ग्रस्त होना केवल स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक बहुआयामी सामाजिक समस्या है।

मानसिक तनाव और अवसाद से महिलाओं का जीवन बुरी तरह प्रभावित होने के मामले सामने आते रहते हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश में दिल को छूने वाली एक घटना घटी, जब अवसाद से ग्रस्त एक महिला सत्रह साल बाद अपने परिवार से मिली। झांसी की रहने वाली यह महिला वर्ष 2008 में अचानक लापता हो गई थी। हर जगह तलाशने के बाद परिवार ने मान लिया था कि शायद वह कभी लौट कर नहीं आएंगी। असल में यह महिला गंभीर अवसाद से जूझ रही थी। घरेलू दबाव और आर्थिक तंगी ने उसे भीतर से तोड़ दिया था। इसी मानसिक स्थिति में उसने घर छोड़ दिया और शहरों में भटकती रही। कई वर्षों तक उसने आश्रमों और पुनर्वास केंद्रों में जीवन बिताया। पिछले दिनों एक पुनर्वास केंद्र में आधार कार्ड और स्थानीय पुलिस की मदद से उसकी पहचान की गई। उसके बाद इस महिला को उसके परिवार को सौंप दिया गया।

हाल के शोध बताते हैं कि भारत में अवसाद से पीड़ित कुल मरीजों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। प्राथमिक देखभाल स्तर पर महिलाओं में अवसाद की व्यापकता औसत इकतालीस फीसद है, जो सामाजिक और आर्थिक दबाव, घरेलू हिंसा तथा शिक्षा की कमी जैसी वजहों से और बढ़ जाती है। शहरी अनौपचारिक बस्तियों में किए गए शोध में पंद्रह फीसद महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी हल्के, नौ फीसद में मध्यम और छह फीसद में गंभीर अवसाद या चिंता के लक्षण दर्ज किए गए हैं। वृद्ध महिलाओं में स्थिति और गंभीर होती है। पचास वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं में अवसाद की दर 21.7 फीसद पाई गई, जबकि साठ वर्ष से अधिक आयु वर्ग की महिलाओं में यह दर 9.5 फीसद दर्ज की गई, जो पुरुषों की तुलना में अधिक है।

मानसिक स्वास्थ्य में गड़बड़ी और अवसाद का परिणाम कई बार आत्महत्या की घटनाओं के रूप में भी दिखाई देता है। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, वर्ष 2021 में भारत में 1, 64, 033 लोगों ने खुदकुशी की, इनमें 48, 172 महिलाएं शामिल थीं। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि परिवार, समाज और स्वास्थ्य संस्थाओं की मदद के बिना महिलाएं अवसाद से उबरने में सक्षम नहीं हो पातीं। वर्ष 2025 के हाल में आए आंकड़े बताते हैं कि भारत में अनुमानित रूप से लगभग 41.9 फीसद महिलाएं किसी न किसी रूप में अवसाद का सामना कर रही हैं। प्रजनन आयु की महिलाओं में मानसिक तनाव और भी अधिक पाया गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के निम्न-से-मध्यम आय वाले क्षेत्रों में 54.3 फीसद महिलाओं ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों का अनुभव किया, जिनमें बीस फीसद ने गंभीर अवसाद के लक्षण महसूस किए।

शहरी क्षेत्रों में महिलाएं नौकरी, परिवार और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाने की कोशिश में मानसिक दबाव झेलती हैं। ग्रामीण भारत में मानसिक अवसाद से ग्रस्त महिलाओं की स्थिति और भी जटिल हो जाती है, क्योंकि समय पर उनका सही इलाज नहीं हो पाता। स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, शिक्षा से वंचित रहना, गरीबी और समाज में मानसिक रोगों को लेकर अंधविश्वास इसके मुख्य कारण हैं। अक्सर देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में जब कोई महिला अवसाद या मानसिक तनाव से जूझती है, तो परिवार और गांव के लोग इसे भूत-प्रेत या जादू-टोना का परिणाम मान लेते हैं। ऐसी परिस्थितियों में डाक्टर के बजाय ओझा, तांत्रिक या झाड़-फूंक करने वालों से परामर्श लिया जाता है। कई बार यह अंधविश्वास महिलाओं की स्थिति को और बिगाड़ देता है। कई मामलों में उनकी मौत तक हो जाती है।

शहरी क्षेत्रों की महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति चिंता का विषय बन रही है। महानगरों और बड़े शहरों में रहने वाली महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौतियां हैं- नौकरी और परिवार के बीच संतुलन, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, एकाकीपन, कार्यस्थल पर उत्पीड़न, देर रात तक काम करने की मजबूरी, नींद की कमी और रिश्तों में असुरक्षा। यह सब अवसाद को और गहरा कर देता है। हालिया अध्ययन बताते हैं कि भारत के शहरी क्षेत्रों में 25-30 फीसद महिलाएं किसी न किसी स्तर पर अवसाद से ग्रस्त हैं। इनमें से एक बड़ा हिस्सा बीस से चालीस वर्ष की उम्र के बीच की महिलाओं का है। दरअसल, मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समाज में अब भी झिझक मौजूद है, जिसके कारण महिलाएं समय पर इलाज नहीं करा पातीं। उनमें अवसाद की समस्या का समाधान केवल दवाओं या परामर्श तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है।

ग्रामीण इलाकों में अवसाद की स्थिति से बाहर निकालने के लिए गांवों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से परामर्श और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मानसिक स्वास्थ्य की शिक्षा देना आवश्यक है। इसके अलावा, मोबाइल हेल्थ वैन और टेलीमेडिसिन सेवाएं ग्रामीण महिलाओं के लिए लाभकारी हो सकती हैं। शहरी महिलाओं की स्थिति अलग है। वे अपेक्षाकृत अधिक शिक्षित और जागरूक होती हैं, लेकिन करिअर, परिवार और सामाजिक दबाव के बीच संतुलन बनाते-बनाते मानसिक रूप से थक जाती हैं। उनके लिए कार्यस्थलों पर मानसिक स्वास्थ्य अवकाश, आनलाइन परामर्श और कर्मचारी सहायता कार्यक्रम बहुत प्रभावी हो सकते हैं। इसके साथ ही परिवार को भी यह समझने की आवश्यकता है कि महिलाओं की भावनात्मक जरूरतें भी पुरुषों जितनी ही महत्त्वपूर्ण हैं और इसका ध्यान रखा जाना चाहिए।

महिलाओं में इस समस्या का एक और बड़ा कारण प्रसवोत्तर अवसाद है। इसके समाधान के लिए अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव के बाद परामर्श की व्यवस्था करनी चाहिए। योग, ध्यान, प्राणायाम और नियमित व्यायाम महिलाओं की मानसिक स्थिति को काफी हद तक संतुलित कर सकते हैं। सरकारी स्तर पर भी कई कदम उठाए जा रहे हैं, जैसे टेली-मानस हेल्पलाइन, मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष योजनाएं और राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम। अवसाद से निपटने के लिए केवल चिकित्सकीय इलाज ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज, परिवार तथा सरकार को मिल कर ऐसा माहौल बनाना होगा, जहां महिलाएं बिना डर और संकोच के अपने मानसिक स्वास्थ्य पर बात कर सकें। इससे वे अधिक आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और स्वस्थ जीवन जी पाएंगी। हम सभी को मिल कर महिलाओं के लिए स्वस्थ, सुरक्षित और सामंजस्य के माहौल का निर्माण करना होगा। समाज और परिवार के स्तर पर संतुलन बनाने में उनका सहयोग करना होगा, तभी देश और समाज आगे बढ़ पाएंगे।

संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में स्वयं सेवको ने पथ संचलन कर किया रूट मार्च

चौरी ब्रह्म आश्रम से रेलवे स्टेशन होकर मानिकपुर तिराहे तक निकाला पथ संचलन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मनाए जा रहे विजयादशमी उत्सव कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के चौरी बाजार के पास स्थित ब्रह्म आश्रम मंदिर से पूरे गणवेश में सैकड़ो की संख्या में उपस्थित संघ के स्वयंसेवकों ने रविवार के दोपहर बाद पथ संचलन कार्यक्रम के तहत रूट मार्च निकाला जो मानिकपुर तिराहे पर पहुंचकर समाप्त हुआ इस दौरान पूरे गड वेश में संघ के ध्वज के साथ स्वयंसेवको ने पथ संचलन कर आम लोगों को जहां जागरूक किया वहीं संघ द्वारा संचालित राष्ट्र हित में कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया इस दौरान काफी तादाद में स्वयंसेवकों ने इस पथ संचलन में भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कौशल किशोर, प्रमोद चतुर्वेदी, राकेश मिश्रा, बसंत जी, श्याम बिहारी पटेल, प्रिंस, गौरव जी, सर्वेश सिंह की प्रमुख सहभागिता रही।

संचारी रोग नियंत्रण व स्वास्थ्य जागरूकता अभियान साइकिल यात्रा

संचारी रोगों से जागरूकता ही बचाव है - बाल गोविंद शुक्ला

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भदोही साइकिलिंग क्लब के तत्वाधान में गोपीगंज राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से संचारी रोग नियंत्रण और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान साइकिल यात्रा निकाली गई।

अताउल अंसारी की अध्यक्षता में निकली साइकिल यात्रा आरंभ होकर थानीपुर, सिंहपुर गिरधरपुर होते हुए ज्ञानपुर में मुख्य विकास अधिकारी के आवास पर पहुंची।

वहां पहुँचने पर मुख्य विकास अधिकारी भदोही बाल गोविंद शुक्ला ने सभी साइकिल चालकों का जोरदार स्वागत किया और कहा कि मौसम बदलाव के साथ संचारी रोग जैसे डेंगू मलेरिया बुखार खांसी जैसे रोगों का प्रकोप बढ़ा है। इन बीमारियों से शरीरिक क्षमता कम हो रही और आर्थिक हानि भी हो रही है। जागरूकता ही बचाव है। हम बीमारी से लड़े, उसकी दवा करे, उससे अच्छा है कि सचेत रहे और उससे बचाव अपनाये, स्वच्छता पर विशेष ध्यान दे और स्वस्थ रहे।

आगे उन्होंने कहा की भदोही साइकिलिंग क्लब का कार्य बहुत ही सराहनीय और प्रशंसनीय है जो शरीर को स्वस्थ और पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संदेश दे रहे हैं । निश्चित ही इसका लाभ पूरे जनपद को मिलेगा।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल यात्रा को रवाना किया और साइकिल लेकर यात्रा मे शामिल हुए।

साइकिल यात्रा पुनः आरंभ होकर प्रोफेसर कॉलोनी, पुरानी बाजार, कुंवरगंज, मुखर्जी पार्क, राजा बाजार, पुलिस लाइन, हॉस्टल चौराहा के आस पास का भ्रमण करते हुए हर घर में हो साफ सफाई तभी रहेगी सेहत भाई, पानी कहीं न जमने दे मच्छर कहीं न बसने दें, उबालकर पानी पियो बीमारी को दूर करो, साफ पानी अच्छी सेहत की निशानी, वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ, हम सबने ये ठाना है पुरे भदोही को स्वस्थ बनाना है, भारत माता की जय का नारा लगाते हुए लोगों को संचारी रोग नियंत्रण और स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करते हुए जीआईसी खेल मैदान मे इसका समापन हुआ और सभी ने मिलकर जीआईसी खेल मैदान की साफ सफाई भी किया।

बताते चले की पुरेगुलाब गोपीगंज निवासी अताउल अंसारी की अध्यक्षता में लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए प्रत्येक रविवार को 2021 से साइकिल यात्रा निकाली जा रही है। इस क्रम में पूर्व में ये साइकिल यात्रा नेपाल, बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में पहुंचकर लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं और अब इनके इस मुहिम में जिले के कई चिकित्सक, अधिकारी, अधिवक्ता, अध्यापक, युवा, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि भी सम्मिलित होकर स्वास्थ्य और पर्यावरण जागरूकता के लिए प्रत्येक रविवार को साइकिल यात्रा में सम्मिलित हो रहे है। वही अताउल अंसारी के इस पहल की लोगों मे खूब सराहना हो रही है।

साइकिल यात्रा में रियाज अहमद राजा, कन्हैया उमर, राम श्रृंगार चौधरी, प्रवीण श्रीवास्तव, सरफराज अहमद, जगदीश यादव, बनारसी बिंद, महमूद आलम, राजीव जायसवाल, अजय बिंद, अबू हुरैरा, प्रमोद मौर्या, अनिल बिंद, संजय उपाध्याय, इमरान अहमद, कमलेश कश्यप, कार्तिक सुनील, अबरार हाशमी, विराट चौधरी, फैज शेख, सुंदरम चौधरी, मैनू अली, जिगर गुप्ता, आजाद चौधरी, अबू दर्दा, अजीत यादव, सिराज जाबिर, गोपाल चौधरी, नकीउद्दीन शेख, हिमांशु चौधरी, फैज आलम, आयुष राव समेत आदि रहे।

विकसित उत्तर प्रदेश 2047 हेतु जनपदवासी क्यूआर कोड स्कैन कर दे अपने सुझाव-जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी

विजन डॉक्यूमेंट 2047 का निर्माण, जनभागीदारी से होगा साकार-सीडीओ

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। समर्थ उत्तर प्रदेश, विकसित उत्तर प्रदेश˘2047 अभियान के विजन डॉक्यूमेंट निर्माण हेतु जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, जिला विकास अधिकारी ज्ञानप्रकाश द्वारा संगोष्ठी जिला पंचायत सभागार में आयोजित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने समस्त जिला पंचायत सदस्यों से अपील किया कि ग्रामीण अंचलों में जाकर विजन 2047 को साकार करने हेतु लोगों से स्कैन कराकर सुझाव देने हेतु प्रेरित करें।

जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने जनपदवासियों को जागरूक किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज देश के ग्रोथ इंजन के रूप में विकास की नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर रहा है। ''विकसित भारत'' के स्वप्न को साकार करने हेतु 'विकसित उत्तर प्रदेश' का संकल्प आवश्यक है। ''विकसित उत्तर प्रदेश˘2047'' के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु आपके अमूल्य सुझाव हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। आप सभी के सुझाव 'समर्थ उत्तर प्रदेश' की संकल्पना की पूर्णता में 'मील का पत्थर' सिद्ध होंगे।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि विजन डॉक्यूमेंट˘2047 जनभागीदारी से ही निर्माण होगा। विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश का सपना केवल सरकार का ही नही, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश का साझा लक्ष्य है। सरकार की कोई भी योजना तभी सफल होती है जब जनता उसे विश्वास और सक्रिय सहभागिता के साथ आगे बढ़ाती है। विकसित उत्तर प्रदेश की परिकल्पना भी हर जनपदवासी के सहयोग से ही साकार होगी। आइए, हम सब मिलकर अपने विचारों व सुझावों से एक सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध 'नए उत्तर प्रदेश' का निर्माण करें।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल ने विजन डॉक्यूमेंट ˘2047 के निर्माण हेतु जनपदवासियों से विशेषकर जनप्रतिनिधियों, युवाओं, छात्र/छात्राओं, शिक्षकों, व्यापारिक संगठनों, मीडिया बन्धुओं सहित प्रत्येक परिवार से सुझाव देने का अपील किया है। हर परिवार सीधे सरकार तक अपने सुझाव QR code अथवा https://samarthuttarpradesh.up.gov.in पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन देने का कष्ट करें। सुझाव सबमिट करने पर शासन द्वारा ऑनलाईन सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया जा रहा है। चयनित सुझावों को जनपद/प्रदेश स्तर पर पुरस्कृत किया जायेगा। क्यूआर कोड का स्कैनर या समर्थ उत्तर प्रदेश डॉट यूपी डॉट जीओवी डॉट इन पोर्टल का लिंक डीएम भदोही के आफिसियल फेसबुक व एक्स ट्वीटर एकाउण्ट सहित जनपद में कलेक्टेड्ट, विकास भवन, कार्यालय पुलिस अधीक्षक, समस्त तहसीलों व विकास खण्ड कार्यालयों प्रमुख सर्वाजनिक स्थलों पर लगाये गये विकसित उत्तर प्रदेश˘2047 विषयक होर्डिग्स व स्टैण्डी पर उपलब्ध है। इस अवसर पर जिला पंचायत अधिकारी अनिल त्यागी, समस्त जिला पंचायत सदस्य, जिला विकास अधिकारी ज्ञानप्रकाश, समस्त जिला पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनपद में पीसीएस (प्रा0) परीक्षा-2025 शुचितापूर्ण, नकलविहीन व सकुशल सम्पन्न

आईजी, डीएम, एसपी ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रो का भ्रमण कर किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा0) परीक्षा-2025 तथा सहायक वन रक्षक/क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा (प्रा0) परीक्षा-2025 जनपद के सभी 08 परीक्षा केंद्रो पर शुचितापूर्ण, नकलविहीन व सकुशल सम्पन्न हुई।

पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र आर.पी सिंह, जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने कै दृष्टिगत विभिन्न परीक्षा केन्द्रों यथा- काशीराज महाविद्यालय इंटर कॉलेज औराई, वीएन राजकीय इण्टर कालेज ज्ञानपुर आदि का भ्रमण कर निरीक्षण किया तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उपर्युक्त द्वारा लगाए गए सी0सी0टी0वी0 कैमरो को देखा गया, सभी चालू हालत में पाए गए। कुल पंजीकृत परीक्षार्थी 3552 में से प्रथम पाली में 1661 द्वितीय पाली में 1649 उपस्थित तथा कुल 46.76 प्रतिशत उपस्थिति रही। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान , प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कालेज आलोक कुमार, अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 अभियान के क्रम में नाबालिक के साथ जघन्य अपराध करने के अभियुक्त पर लगा रासुका

पूर्व में पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में स्थानीय पुलिस द्वारा अभियुक्त को उसके द्वारा कृत अपराध से 12 घंटे के अंदर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर भेजा गया है जेल

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। रात्रि में अभियुक्त द्वारा नाबालिग बालिका के साथ किए गए जघन्य अपराध किया गया। लोक व्यवस्था प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। लोग व्यवस्था को पुन स्थापित करने के लिए स्थानीय पुलिस को काफी प्रयास करना पड़ा था। वर्तमान समय में माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद भदोही में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के अन्तर्गत महिला/बालिका संबंधी अपराधों में उपरोक्त अभियुक्त पर रासुका लगाए जाने हेतु नियमित सभी साक्ष्य संकलित कर शैलेश कुमार, जिला मजिस्ट्रेट भदोही एवं अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा संयुक्त रूप से अभियुक्त राजकमल उर्फ करिया पुत्र रामजीत चौहान, निवासी-कुसा, थाना-बरसठी, जनपद-जौनपुर, उम्र 25 वर्ष, को लोक व्यवस्था के अनुरक्षण बनाये रखने हेतु राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 (अधिनियम संख्या 65/1980) की धारा-3 की उपधारा-2 में अभियुक्त को रासुका में निरुद्ध किया गया है।

पूर्व में पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में स्थानीय पुलिस द्वारा अभियुक्त को उसके द्वारा कृत अपराध से 12 घंटे के अंदर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार करपूर्व में पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में स्थानीय पुलिस द्वारा अभियुक्त को उसके द्वारा कृत अपराध से 12 घंटे के अंदर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर भेजा गया है जेल भेजा गया है।

जनपद भदोही मिशन शक्ति फेज-5.0 जागरुकता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण हेतु विशेष अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा ग्राम/कस्बा/मोहल्ला/शिक्षण संस्थानों इत्यादि पर भ्रमण/चौपाल लगाकर छात्राओं/बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों, वूमेन पावर हेल्पलाइन-1090, यूपी-112, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर किया गया जागरूक।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत थाना दुर्गागंज के अंतर्गत एंटी रोमियो टीम द्वारा आनंद डीह बाजार में महिलाओं व बालिकाओं को सभी हेल्पलाइन नंबर 1090 /112/ 181 /102/ 108 तथा साइबर संबंधित हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में व मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना जानकारी दी गयी।

मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद भदोही में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन व शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण मे 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों में तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 , सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

जनपद के 8 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित पीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा निष्पक्ष व शांतिपूर्ण सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत सुरक्षा व यातायात व्यवस्था व्यापक बंदोबस्त

सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में परीक्षा को पारदर्शी व शांतिपूर्ण ढंग से कराया जा रहा सम्पन्न

आपत्तिजनक/भड़काऊ पोस्ट प्रसारित करने वालों के विरुद्ध की जाएगी सख्त वैधानिक कार्यवाही

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद के 08 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालीयों में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 'पीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा 2025'' को निष्पक्ष, पारदर्शी व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत शैलेश कुमार, जिलाधिकारी भदोही व अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के संयुक्त निर्देशन में सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था हेतु व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं।

सभी परीक्षा केंद्रों, प्रमुख मार्गों व चौराहों पर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पीएसी व क्यूआरटी टीम सहित पर्याप्त पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस व प्रशासनिक उच्चाधिकारीगण सहित समस्त क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियों द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण/भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था हेतु लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को चेक किया जा रहा है एवं ड्यूटीरत कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। आर0पी0सिंह पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मिर्जापुर द्वारा शैलेश कुमार जिलाधिकारी भदोही व अभिमन्यु मांगलिकपुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा संयुक्त रूप से भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाये गए हैं। सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग हेतु कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जिसमें नियुक्त पुलिसकर्मियों द्वारा अनवरत निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। सुगम यातायात व्यवस्था हेतु सभी चौराहों/तिराहों, बाजारों व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यातायात कर्मी तैनात हैं।

सोशल मीडिया टीम व अभिसूचना तंत्र पूर्ण रूप से सक्रिय है। सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्मों की सतत निगरानी की जा रही है।आपत्तिजनक/भड़काऊ पोस्ट प्रसारित करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

दीपोत्सव पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। दीपों के पर्व दीपोत्सव के पावन अवसर पर महिला भूमिहार समाज के सदस्यो द्वारा जे.बी आर गोमती नगर में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय संस्कृति, कला और परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन था, जिसमें शहर की महिलाओ ने बढचढ कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ मंचित की गईं, जिनमें लोकनृत्य, भक्ति गीत, नाटक, ठ, एवं नाट्य रूपांतरण प्रमुख रहे। पूरा परिसर दीपों, रंगोली और सजावटी झांकियों से सुसज्जित था।

वहां उपस्थित महिलाओ ने कहा ' 'दीपोत्सव न केवल रोशनी का पर्व है, बल्कि यह हमें अंधकार से प्रकाश की ओर, असत्य से सत्य की ओर और वैमनस्य से एकता की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है।' कार्यक्रम मे महत्वपूर्ण योगदान पूनम सिंह, डॉक्टर अंजू लता, उर्वशी, दिव्या राय, इंदु राय, पुष्पा सिंह ने दिया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को महिला पुलिस ने किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत शिवनगर डिडई थाना पुलिस द्वारा शक्ति दीदी अभियान एवं साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक द्विवेदी और प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में संचालित किया गया। पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के ग्राम गजहड़ा में स्थित कासिम इंटर कालेज की महिलाओं एवं बालिकाओं को सरकारी योजनाओं और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया।महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, मातृ शक्ति को सम्बल योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जैसी महिला कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा)1090 (वूमेन पावर हेल्पलाइन) 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) 108 (एंबुलेंस सेवा)1930 (साइबर अपराध हेल्पलाइन)1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन)102 (स्वास्थ्य सेवा)181 (वीमेन हेल्पलाइन) 101 (अग्निशमन सेवा) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा उन्हें इनके प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वालंबन के प्रति जागरूक करते हुए आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। इस अभियान में उपनिरीक्षक अयोध्या यादव, महिला कांस्टेबल पारुल यादव, कास्टेबल गुड्डू यादव, कांस्टेबल बृजेश यादव की सक्रिय भूमिका रही।

आजम खान की वाई श्रेणी की सुरक्षा बहाल, गार्ड और गनर किए गए तैनात

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी के वरिष्ट नेता आजम खान 23 महीने बाद जब से जेल से बाहर आए हैं। उनसे मिलने वाले लोगों की लाइने लगी है। इसी बीच उनको फिर से सुरक्षा दे दिया गया है अब वह वाई कैटेगरी के सुरक्षा के साथ फिर चलेंगे। उनकी सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। उनके आवास पर गार्ड और गनर तैनात कर दिए गए हैं, जो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

आपको बता दें कि शनिवार को ही वाई श्रेणी की सुरक्षा बहाल कर दी गई थी और उनकी सुरक्षा में गार्ड और गनर तैनात कर दिए गए थे। इससे पहले कोर्ट से दोषी करार दिए जाने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता खत्म कर दी गई थी

पुलिस पर पेट्रोल बम फेंकने वाला आरिफ गिरफ्तार कबूला जुर्म, बोला- पार्षद के कहने पर किया था हमला

लखनऊ **(एजेंसी)**। श्यामगंज इलाके में 26 सितंबर को हुई हिंसा के मामले में बरेली पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। हिंसा के दौरान पुलिस पर पेट्रोल बम फेंकने वाले आरोपी आरिफ को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। घटना के पीछे कथित रूप से मौलाना तौकीर रजा खां के करीबी और नगर निगम पार्षद अनीस सकलैनी का हाथ बताया जा रहा है। आरोपी आरिफ ने पूछताछ में माना है कि उसने अनीस सकलैनी के इशारे पर यह हमला किया था।

बरेली में 'आई लव मोहम्मद' के पोस्टर लगाने को लेकर शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे एक बड़े उपद्रव में बदल गया। पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, 26 सितंबर को श्यामगंज क्षेत्र में भारी पथराव, आगजनी, फायरिंग और तोड़फोड़ की गई। दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया और पुलिस पर पेट्रोल बम फेंके गए। हिंसा के बाद पुलिस ने विभिन्न थानों में कुल दस एफआईआर दर्ज की थीं और कई वीडियो फुटेज व तस्वीरों के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जा रही थी। इन्हीं में आरिफ नाम का युवक मुख्य रूप से सामने आया।

बारादरी थानाध्यक्ष धनंजय पांडेय ने जानकारी दी कि आरिफ को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था, जहां उसने अपना

अपराध स्वीकार कर लिया। उसने खुलासा किया कि वह हजियापुर का निवासी है और अनीस सकलैनी का सहयोगी है। उसने यह भी बताया कि वह अपने साथियों के साथ श्यामगंज पहुंचा और इस्लामिया ग्राउंड की ओर बढ़ने की कोशिश की, जहां पुलिस से झड़प हुई और पेट्रोल बम फेंके गए।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि अब तक इस केस में 105 से अधिक आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है, जिनमें मौलाना तौकीर रजा खां, कई राजनीतिक नेता और स्थानीय युवक शामिल हैं।

जांच एजेंसियों को आशंका है कि यह हिंसा पूरी तरह से सुनियोजित थी। सोशल मीडिया के जरिए भी अफवाहें फैलाकर माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की गई थी। पुलिस अब उन लोगों की पहचान में लगी है जो हथियारों के साथ सड़कों पर उतरे या भीड़ को भड़काने में शामिल रहे। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल वीडियो के आधार पर पहचान की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस गश्त और सतर्कता को और तेज कर दिया गया है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों से बचें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

मस्जिद में खूनी खेल! चारपाई पर लटकी बेगम, खून से सनी बच्चियां

जिससे ली तालीम, उसी मौलवी के पूरे परिवार का किया कत्लेआम, खून खौला देगा कबूलनामा

बागपत **(एजेंसी)**। पुलिस ने बागपत जिले के दोघट क्षेत्र में एक इमाम की पत्नी और उसकी दो बेटियों की कथित हत्या के मामले में रविवार को इमाम के दो नाबालिग छात्रों को गिरफ्तार किया। बागपत जिले में इमाम की पत्नी और उसकी दो बेटियों की कथित तौर पर धारदार हथियार से शनिवार को हत्या कर दी गई थी। पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने बताया कि गांगनौली गांव में शनिवार को इमाम इब्राहिम की पत्नी इसराना (30) और बेटियों सोफिया (पांच) एवं सुमैया (दो) के खून से लथपथ शव उनके घर में पाए गए थे।

उन्होंने बताया कि मामले की जांच के दौरान यह पाया गया कि इस वारदात को इब्राहिम के दो नाबालिग छात्रों ने ही अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए छात्रों ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल किया है। उन्होंने कहा कि इमाम इब्राहिम की डांट-फटकार और अक्सर की जाने वाली मारपीट से क्षुब्ध होकर उन्होंने यह कदम उठाया।

पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, पकड़े गए नाबालिग छात्रों ने पुलिस को बताया है कि शनिवार को इमाम इब्राहिम के किसी काम से बाहर जाने के बाद दोनों ने मस्जिद के अंदर रहने वाले इब्राहिम की पत्नी और दोनों बेटियों पर पहले हथौड़े से हमला किया और फिर छुरी से ताबड़तोड़ प्रहार कर उनकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथौड़ा और छुरी बरामद कर ली गई है।

राय ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए पुलिस की सात टीम गठित की गईं जिन्होंने महज छह घंटे के भीतर मामले का राजफाश कर दिया। उन्होंने बताया कि दोनों नाबालिग आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज करके आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पहले मासूम लोगों को प्रेम जाल में फंसाती, फिर बनाती शारीरिक संबंध और रिकॉर्ड कर लेती वीडियो

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की बस्ती पुलिस ने लवी सिंह नाम की एक महिला को गिरफ्तार किया है, जो लोगों को अपने जाल में फंसाकर गजब कांड करती थी। लवी सिंह पहले लोगों को प्यार के जाल में फंसाती, उनके करीब आती और उनके साथ संबंध बनाती। इस दौरान वह उनका अश्लील वीडियो बना लेती, जिससे वह उन्हें ब्लैकमेल करती थी। पुलिस को जांच में पता चला कि लवी सिंह ने अब तक तीन लोगों को शिकार बनाया है और उनसे करीब 10 लाख रुपये की वसूली की है। यह पूरा खेल लवी अकेली नहीं करती थी, बल्कि उसके साथ एक पूरा गैंग भी था।

मामला तब सामने आया जब एक शख्स की पत्नी ने पुलिस को शिकायत की कि उसके पति को कोई महिला ब्लैकमेल कर रही है और लगातार रुपये मांग रही है। पुलिस ने इस पर तुरंत कार्रवाई की और जांच शुरू की। जांच के दौरान जैसे-जैसे लवी सिंह के कांड सामने आते गए, पुलिस भी हैरान होती गई। इसके बाद पुलिस ने संत कबीर नगर की रहने वाली लवी सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि लवी सिंह हनी ट्रैप की तरह काम करती थी। वह अमीर लोगों को अपने जाल में फंसाती और उनके अश्लील वीडियो बनाकर उनसे पैसे मांगती। पुलिस अब लवी के बैंक खातों और कॉल रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है। लवी सिंह को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है।

आय से अधिक संपत्ति मामले में रिटायर्ड इंस्पेक्टर पर केस दर्ज

ग्रामीणों ने मनाया जश्न, किया सामूहिक भोज का आयोजन

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बागपत जिले के निरपुडा गांव निवासी रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर प्रेमवीर राणा पर आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा दर्ज होने के बाद गांव में जश्न का माहौल है। शिकायतकर्ता और ग्रामीणों ने सरकार की कार्रवाई पर खुशी जाहिर करते हुए सामूहिक दावत भोज का आयोजन किया।और शिकायत कर्ता और ग्रामीणों ने भ्रष्टाचार पर शुरू हुई योगी सरकार की कार्रवाई को लेकर धन्यवाद किया। उनका कहना है कि ईमानदार योगी सरकार ही इस तरह के एक्शन ले सकती है।

आपको बता दे कि निरपुडा गांव के रहने वाले रिटायर्ड इंस्पेक्टर प्रेमवीर राणा पर करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोप हैं। बताया जा रहा है कि सेवा के दौरान राणा शामली, मेरठ, नोएडा समेत पश्चिम यूपी के कई जिलों में तैनात रहे और इसी दौरान उन्होंने अवैध तरीके से बड़ी संपत्ति खड़ी की।बताया जा रहा हे कि पूर्वजों से इंस्पेक्टर को मात्र तीन बीघा जमीन मिली थी लेकिन आज वह करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं।

इंस्पेक्टर के खिलाफ शिकायत करने वाले गांव के ही निवासी राम मेहर ने बताया कि प्रेमवीर राणा पर कार्रवाई होना गांव के लोगों के लिए बड़ी राहत है। उनका कहना है कि इंस्पेक्टर ने न केवल अवैध संपत्ति जुटाई बल्कि गांव के कई लोगों पर झूठे मुकदमे भी दर्ज कराए थे। योगी सरकार का विज्ञापन देखकर उन्होंने शिकायत करते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई थी।जिस पर सरकार ने एक्शन लिया और मुकदमा दर्ज कर लिया।

दावत में सैकड़ों ग्रामीण पहुंचे।वहीं कार्यवाही शुरू होने की खुशी में ग्रामीणों ने सामूहिक भोज का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने शिरकत की। दावत में निश्चय प्रधान सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।ग्रामीणों का कहना है कि योगी सरकार ने भ्रष्टाचार पर बड़ा कदम उठाया है और ऐसे अफसरों पर कार्रवाई जारी रहनी चाहिए।बागपत के निरपुडा गांव से यह रिपोर्ट – जहां सरकारी कार्रवाई के बाद पहली बार किसी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर गांव ने खुशी का जश्न मनाया।

महिला सम्मान तो दूर महिलाओं की सुरक्षा जरूरी- नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म पर बोलीं मायावती

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बंथरा क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने रविवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने इस घटना को लेकर राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार की शाम बंथरा क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा एक किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म किए जाने की सूचना मिली थी। इस मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया था।

उन्होंने बताया कि रविवार को हरौनी रेलवे स्टेशन जाने वाले रास्ते पर जांच के दौरान पुलिस ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका तो उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस पर गोलियां चलाईं। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक अभियुक्त गोली लगने से घायल हो गया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी पहचान बंथरा थाना क्षेत्र के हरौनी निवासी ललित कश्यप के रूप में हुई है। उसका साथी भागने में कामयाब रहा।

सूत्रों ने बताया कि मामले में एक अन्य आरोपी मेराज (20) को

पुलिस की एक अन्य टीम ने हरौनी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म से गिरफ्तार किया है। बसपा प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस घटना को लेकर उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने रविवार को 'एक्स' पर कहा, ''राजधानी लखनऊ के बंथरा क्षेत्र में किशोरी से सामूहिक बलात्कार की घटना अति-दुखद व शर्मनाक है। उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में महिला उत्पीड़न के साथ-साथ दुष्कर्म व हत्या आदि की घटनायें रुकने का नाम नहीं ले रही हैं।'' मायावती ने कहा, ''सरकार को इसकी रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने की सख्त जरूरत है। महिला सम्मान तो दूर महिलाओं की सुरक्षा पहले व अत्यन्त जरूरी है।''

सरकार के खिलाफ भोपाल में महाआंदोलन!

आउटसोर्स, अस्थायी कर्मियों ने उठाया समान वेतन का मुद्दा, लाखों कर्मचारियों की जुटी भीड़

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के बैंक मित्र, पंचायत चौकीदार, पंप ऑपरेटर, अंशकालीन भृत्य, राजस्व सर्वेयर, आउटसोर्स और अस्थायी कर्मचारी रविवार को तुलसी नगर स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क में एक मंच पर एकत्रित हुए और 'महाक्रांति रैली' के तहत प्रदर्शन किया। सभी संगठनों ने मिलकर प्रदेश में अस्थायी और आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन, कामकाज और सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों को उठाया।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रदेश में सरकारी व्यवस्थाएं अब स्थायी कर्मचारियों की बजाय अस्थायी आउटसोर्स कर्मियों द्वारा चलाई जा रही हैं। बैंक सेवा केंद्रों, पंचायतों और प्रमुख सरकारी भवनों जैसे सीएम राइज स्कूल, वल्लभ भवन और सतपुड़ा भवन में नियुक्तियां आउटसोर्स कर्मचारियों के जरिए की जा रही हैं। पंचायतों में चौकीदारों को मात्र ?3, 000 प्रति माह वेतन मिलता है, जो समय पर भी नहीं मिलता। रामनिवास केवट, जो पिछले 25 साल से ग्राम पंचायत में चौकीदारी कर रहे हैं, ने बताया कि उनका वेतन अब भी केवल ?2, 000 प्रति माह है और कई बार भुगतान 5-6 महीने तक विलंबित होता है। उनका कहना है कि बच्चों की पढ़ाई और परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है, और कई बार खाने-पीने में भी संकट आता है।

महाक्रांति रैली के संयोजक वासुदेव शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 19 अगस्त 2025 के फैसले (सिविल अपील क्रमांक 8558/ 2018) ने यह स्पष्ट किया है कि लंबे समय से कार्यरत अस्थायी, संविदा और आउटसोर्स कर्मियों से कम वेतन पर समान कार्य लेना 'श्रमिक शोषण' है। न्यायालय ने समान कार्य करने वाले कर्मचारियों को समान वेतन और सामाजिक सुरक्षा लाभ का संवैधानिक अधिकार माना है। मोर्चा का कहना है कि यह फैसला प्रदेश के लाखों कर्मचारियों के लिए 'न्याय की नई उम्मीद' लेकर आया है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से न्यूनतम वेतन ?21, 000 प्रति माह करने और लंबित वेतन के भुगतान की तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

दिवाली से पहले 50 हजार अतिथि शिक्षकों पर मंडराया आर्थिक संकट, विभाग ने रोक दिया वेतन

भोपाल **(एजेंसी)**। राजधानी भोपाल समेत मध्यप्रदेश के स्कूलों में पढ़ा रहे लगभग 50 हजार अतिथि शिक्षकों को अभी तक उनका वेतन नहीं मिला है। इनकी भर्ती तीन माह पहले की गई थी, लेकिन ई-अटेन्डेस नियम के कारण स्कूल शिक्षा विभाग ने वेतन रोक दिया है। त्योहार से ठीक पहले शिक्षकों और उनके परिवारों के लिए यह स्थिति आर्थिक संकट बन गई है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश में कुल 70 हजार अतिथि शिक्षकों की भर्ती की है। जुलाई और अगस्त में जिला स्तर पर नियुक्ति के बाद उन्हें नियमित शिक्षकों की तरह ई-अटेन्डेस के नियम के तहत वेतन मिलना था। हालांकि, तकनीकी दिक्कतों के कारण केवल 20 प्रतिशत शिक्षकों को ही वेतन मिल पाया है। शेष शिक्षक हाजिरी लगाने के बावजूद वेतन न मिलने से परेशान हैं।

मप्र शिक्षक संगठन के प्रभारी अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि वेतन न मिलने से पूरा परिवार प्रभावित है। उन्होंने कहा कि त्योहारी अवसरों पर यह समस्या और गंभीर हो जाती है। स्कूल शिक्षा विभाग ने 'हमारे ऐप' नामक प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जिसमें शिक्षकों की एंट्री होनी थी। अतिथि शिक्षकों के मुताबिक उनके लिए कोई स्पष्ट निर्देश नहीं हैं। विभाग ने हर माह की 5 तारीख को वेतन देने के निर्देश जारी किए थे, लेकिन अब तक भुगतान नहीं हुआ।

अतिथि शिक्षक इस समस्या के कारण मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हैं। उनका कहना है कि वेतन न मिलने से न केवल उनकी रोजमर्रा की जरूरतें प्रभावित हो रही हैं, बल्कि बच्चों की पढ़ाई पर भी असर पड़ रहा है। संगठन ने सरकार से तुरंत हस्तक्षेप कर अतिथि शिक्षकों के वेतन जारी करने की मांग की है।

बुरे फंसे प्रशांत किशोर, राघोपुर में आचार संहिता उल्लंघन के मामले में एफआईआर दर्ज

पटना **(एजेंसी)**। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर पर तेजस्वी यादव के चुनावी गढ़ राघोपुर में आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज हुआ है।

हाजीपुर के पुलिस उपाधीक्षक सुबोध कुमार के अनुसार, एफआईआर वैशाली जिले के राघोपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई। बताया जा रहा है कि राघोपुर अंचालाधिकारी दीपक कुमार के आवेदन पर प्रशांत किशोर के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के मामले में एफआईआर दर्ज कराई गई है। दरअसल, शनिवार को प्रशांत किशोर राघोपुर पहुंचे थे, जहां पर उन्होंने जनता से संवाद किया था।

इस बीच, जब प्रशांत किशोर से इस घटनाक्रम के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया, 'मेरे खिलाफ कई एफआईआर लंबित हैं। एक और हो जाए।' जब यह बताया गया कि चुनाव आयोग उन्हें प्रचार करने से रोक सकता है, तो 47 वर्षीय जन सुराज पार्टी के संस्थापक ने कहा, 'कोई बात नहीं। अगर वे मुझे रोकेंगे, तो मैं रुक जाऊंगा।' उनकी पार्टी ने अब तक राज्य विधानसभा की 243 सीटों में से 51 के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि किशोर खुद राघोपुर में तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव लड़ सकते हैं। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव 6 और 11 नवंबर को होंगे और मतगणना 14 नवंबर को होगी।

मुख्यमंत्री के आवास पर 'बम' धमकी देने वाला अयप्पन गिरफ्तार, आदतन अपराधी निकला

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के आधिकारिक आवास पर बम रखे होने की झूठी धमकी देने के आरोप में पुलिस ने रविवार को 36 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अयप्पन के रूप में हुई है, जो पहले भी इसी तरह के अपराधों में शामिल रह चुका है।

आरोपी अयप्पन ने शनिवार को पुलिस नियंत्रण कक्ष में कॉल करके मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में बम रखे होने का दावा किया था। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। मौके पर बम निरोधक दस्ता, श्वान दस्ता और तेनाम्पेट पुलिस थाने के कर्मी भेजे गए। गहन तलाशी के बाद परिसर को सुरक्षित घोषित कर दिया गया, और पुलिस ने पुष्टि की कि यह एक फर्जी कॉल थी।

जांच के बाद चेंगलपट्टू जिले के तिरुपोरूर निवासी अयप्पन को फर्जी कॉल करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया और कॉल करने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि अयप्पन एक आदतन अपराधी है। अयप्पन ने वर्ष 2020 में भी कोयंबेडु बस टर्मिनस, एगमोर रेलवे स्टेशन और चेन्नई हवाई अड्डे पर इसी तरह की झूठी धमकियां दी थीं। वर्ष 2021 में, उसे मुख्यमंत्री के आवास पर ऐसी ही एक फर्जी कॉल करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

पुलिस विज्ञप्ति के अनुसार, आरोपी शारीरिक रूप से दिव्यांग है, उसकी दो बेटियां हैं और वह शराब का आदी है। उसे भविष्य में ऐसे अपराध न करने की सख्त सलाह दी गई है और बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडेन सील्स पर लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडेन सील्स को भारत के खिलाफ यहां खेल जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन आईसीसी के लेवल एक आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उन्हें एक डिमेरिट अंक भी दिया गया है।

यह घटना शुक्रवार को भारत की पहली पारी के 29वें ओवर में घटी जब सील्स ने गेंदबाजी करने के बाद गेंद को बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की ओर फेंक दिया जिससे गेंद उनके पैड पर लगी। आईसीसी ने कहा, 'सील्स को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 का उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी की ओर या उसके पास अनुचित या खतरनाक तरीके से गेंद (या किसी अन्य क्रिकेट उपकरण) फेंकने से संबंधित है।'

इसके साथ ही सील्स के खाते में 24 महीनों की अवधि में कुल डिमेरिट अंक की संख्या अब दो हो गई है। किसी खिलाड़ी को अगर 24 महीनों में 24 या अधिक डिमेरिट अंक मिलते हैं तो उसे निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। सील्स ने इस बार मैच रेफरी एंडी पाइकॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित सजा को चुनौती दी जिसके चलते एक औपचारिक सुनवाई आयोजित की गई।

आईसीसी ने अपने बयान में कहा, 'सील्स ने तर्क दिया कि वह रन आउट करने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन मैच रेफरी ने कई अलग-अलग रीप्ले देखने के बाद निष्कर्ष निकाला कि वह थ्रो अनावश्यक और अनुचित था क्योंकि बल्लेबाज क्रीज के अंदर था और गेंद सीधे उसके पैड पर जा लगी।'

इस घटना की रिपोर्ट मैदान पर मौजूद अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और पॉल रीफेल, तीसरे अंपायर एलेक्स व्हार्फ और चौथे अंपायर के.एन. अनंत पद्मनाभन ने की थी। आईसीसी ने स्पष्ट किया, 'लेवल 1 के उल्लंघनों में न्यूनतम सजा एक आधिकारिक चेतावनी होती है जबकि अधिकतम सजा में मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक दिए जा सकते हैं।'

जायसवाल की 175 रनों की पारी पर बोले ब्रायन लारा, हमारे गेंदबाजों को इतना मत मारो

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के ओपनर यशस्वी जयसवाल ने वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में कमाल का प्रदर्शन किया और 175 रन की शानदार पारी खेली। जयसवाल की पारी में 22 चौके शामिल थे और उन्होंने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। मैच के दूसरे दिन के खेल के बाद, जयसवाल की तारीफ करने के लिए वेस्ट इंडीज़ के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा भी मैदान पर आए। लारा ने मस्ती भरे अंदाज़ में कहा, 'हमारे गेंदबाजों को इतनी जोर से मत पीटना!'

यशस्वी ने 258 गेंदों में 22 चौके लगाए और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विपक्षी गेंदबाजों को परेशान किया। अगर कप्तान शुभमन गिल के साथ हुई रन आउट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं होती, तो वह डबल सेंचुरी तक पहुंच सकते थे। जयसवाल ने अपने प्रदर्शन के बाद नम्रता दिखाई और कहा, 'मैं बस कोशिश कर रहा हूँ, सर।'

जयसवाल ने दूसरे विकेट के लिए साई सुदर्शन के साथ 193 रन की साझेदारी की। सुदर्शन ने 87 रन बनाए और जयसवाल ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि दोनों ने रणनीति बनाकर रन बनाने और शॉट खेलने की योजना बनाई थी।

तीसरे विकेट के लिए शुभमन गिल के साथ 74 रन की साझेदारी के दौरान जयसवाल ने नए गेंद के खिलाफ आक्रामक रणनीति अपनाई। उन्होंने कहा, 'गिल भाई ने शानदार बल्लेबाजी की। हम बस रन बनाने और अपने इंस्टिंक्ट पर भरोसा करने की कोशिश कर रहे थे। उनके साथ बल्लेबाजी करना बेहद शानदार अनुभव था।'

गिल ने 196 गेंदों में 129 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और 2 छक्के शामिल थे। नितीश कुमार रेड्डी और ध्रुव जुरेल की महत्वपूर्ण पारियों की मदद से भारत ने 518/5 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की।

जयसवाल ने साझा किया कि उनका मानसिक फोकस हमेशा बड़े रन बनाने पर रहता है। 'मैं हमेशा टीम को प्राथमिकता देता हूँ और अगर मुझे अच्छा शुरुआत मिलती है, तो मैं इसे बड़ा बनाने की कोशिश करता हूँ' उन्होंने वीडियो में कहा।

ट्रंप का चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ भारत के लिए स्पष्ट चेतावनी!

अमेरिका के सौदे कभी स्थायी नहीं, दुनिया भी हो जाए सतर्क

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर लगाए गए 100 प्रतिशत टैरिफ ने वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है। इस कदम के बाद विशेषज्ञों का मानना है कि भारत सहित अन्य देश यह संदेश समझ लें कि अमेरिका के साथ किए गए किसी भी व्यापारिक समझौते को हमेशा स्थायी नहीं माना जा सकता।ट्रंप प्रशासन ने घोषणा की है कि यह टैरिफ 1 नवंबर 2025 से लागू होगा। इसमें चीन से आयात होने वाले कई महत्वपूर्ण उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। इसके अलावा अमेरिका ने क्रिटिकल सॉफ्टवेयर और तकनीकी उत्पादों पर एक्सपोर्ट कंट्रोल की भी योजना बनाई है।विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को इस स्थिति का लाभ उठाकर स्थिर और विविध व्यापारिक साझेदारी पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए नई नीतियों और रणनीतियों के माध्यम से अमेरिका पर निर्भरता कम करना आवश्यक है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञ डॉ. अनुराग मेहता ने कहा, 'यह अमेरिका का स्पष्ट संदेश है कि वह अपनी आर्थिक और व्यापारिक प्राथमिकताओं के अनुसार किसी भी समय कदम उठा सकता है। भारत को अपने निर्यातकों और उद्योगों को इससे जोड़ते हुए विकल्पी बाजारों और आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने की आवश्यकता है।'ट्रंप के फैसले का असर भारतीय उद्योग और वैश्विक अर्थव्यवस्था दोनों पर महसूस किया जाएगा। कई भारतीय निर्यातक अमेरिका पर अत्यधिक निर्भर हैं और अब उन्हें वैकल्पिक बाज़ारों की तलाश तेज करनी होगी। इस कदम से चीन और अमेरिका के बीच बढ़ते व्यापार तनाव के कारण एशिया और यूरोप के बाजारों में अस्थिरता भी आ सकती है।

होम लोन बदलने से पहले रखें ध्यान छोटी गलती पड़ सकती है भारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। घर खरीदना हर भारतीय के लिए बड़ा फैसला होता है और होम लोन उसका सबसे अहम हिस्सा लेकिन लंबे समय तक चलने वाले इस लोन के दौरान ब्याज दर में उतार-चढ़ाव कई लोगों को परेशान कर देता है। ऐसे में कम ब्याज दर का फायदा उठाने के लिए लोग अक्सर होम लोन बैलेंस ट्रांसफर यानी लोन को एक बैंक से दूसरे बैंक में शिफ्ट करने का विकल्प चुनते हैं। हालांकि, यह हर बार फायदेमंद साबित नहीं होता। आइए समझते हैं कि किन परिस्थितियों में यह कदम उठाना समझदारी है और कब नहीं।

कम ब्याज दर आकर्षक लग सकता है लेकिन यह तभी फायदेमंद होती है जब लोन की शुरुआत में ट्रांसफर किया जाए। शुरुआती सालों में आपकी ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज में जाता है, इसलिए उस समय दरों में कमी का असर ज्यादा होता है। अगर लोन की अवधि का अधिकांश हिस्सा बीत चुका है, तो ब्याज बचत बहुत कम रह जाती है और ट्रांसफर का फायदा लगभग खत्म हो जाता है।

होम लोन ट्रांसफर मुफ्त नहीं होता। नया बैंक आपको प्रोसेसिंग फीस, वैल्यूएशन चार्ज और लीगल फीस जैसे अतिरिक्त खर्च वसूल सकता है। कई बार ये खर्च आपकी संभावित बचत को खत्म कर देते हैं। इसलिए ब्याज दर में मामूली गिरावट देखकर जल्दबाजी में फैसला लेना नुकसानदायक हो सकता है।

कई बार ग्राहक सिर्फ कम ब्याज दर नहीं बल्कि बेहतर सुविधाओं के लिए भी बैंक बदलते हैं। नया बैंक अगर टॉप-अप लोन, फ्लेक्सीबल ईएमआई या कम प्री-पेमेंट चार्ज जैसी सुविधाएं दे रहा है, तो ट्रांसफर फायदेमंद साबित हो सकता है। वहीं अगर मौजूदा बैंक हर प्री-पेमेंट पर जुर्माना लगाता है या सेवा असंतोषजनक है, तो नया विकल्प बेहतर हो सकता है।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, बेलिंडा क्लार्क का 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

मेलबर्न **(एजेंसी)**। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को महिला क्रिकेट इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला विश्व कप मैच के दौरान एक कैलेंडर वर्ष में 1000 वनडे रन पूरे करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनकर नया रिकॉर्ड बनाया।

मंधाना को इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए 18 रनों की आवश्यकता थी, जिसे उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज सोफी मोलिनक्स की गेंद पर शानदार छक्का लगाकर हासिल किया। उनका यह उपलब्धि हासिल करना न सिर्फ भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण था, बल्कि महिला क्रिकेट के इतिहास में भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

स्मृति मंधाना ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में 1997 में बेलिंडा क्लार्क के बनाए 970 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा था। मंधाना ने पारी के आठवें ओवर में अयाबोंगा खाका की गेंद पर छक्का जड़कर क्लार्क का रिकॉर्ड ध्वस्त किया। अब वह 1000 रन के आंकड़े को पार कर चुकी हैं।

29 वर्षीय स्मृति मंधाना अपना तीसरा वनडे विश्व कप खेल रही हैं। वह 2017 विश्व कप में उपविजेता रही भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं। अब मंधाना वनडे में 5000 रन पूरे करने के करीब हैं। यह मुकाम हासिल करने पर वह यह उपलब्धि प्राप्त करने वाली दूसरी भारतीय और कुल पाँचवीं महिला बल्लेबाज़ बन जाएंगी।

हालाँकि रिकॉर्ड्स के बावजूद, मंधाना का मौजूदा विश्व कप में प्रदर्शन थोड़ा अस्थिर रहा है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 8, पाकिस्तान के खिलाफ 23, और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 23 रन बनाए। भारत ने शुरुआती दो मैच जीते, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शीर्ष क्रम के फ्लॉप होने से टीम को 3 विकेट से हार झेलनी पड़ी।

डी-मार्ट का मुनाफा दूसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत बढ़कर 685 करोड़ रुपए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। खुदरा श्रृंखला डी-मार्ट का स्वामित्व रखने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड ने शनिवार को बताया कि सितंबर 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 3.85 प्रतिशत बढ़कर 684.85 करोड़ रुपए रहा। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 659.44 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। सितंबर तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 15.45 प्रतिशत बढ़कर 16, 676.30 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 14, 444.50 करोड़ रुपए था।

कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) - नामित अंशुल असावा ने कहा, ''दो साल और उससे पुराने डीमार्ट स्टोर में वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही की तुलना में वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के दौरान 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।'' कंपनी ने कहा कि उसने कीमतें कम करके जीएसटी सुधारों का लाभ अपने ग्राहकों तक पहुंचाया है। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान डी-मार्ट ने आठ नए स्टोर खोले, जिससे 30 सितंबर, 2025 तक उसके स्टोरों की कुल संख्या 432 हो गई।

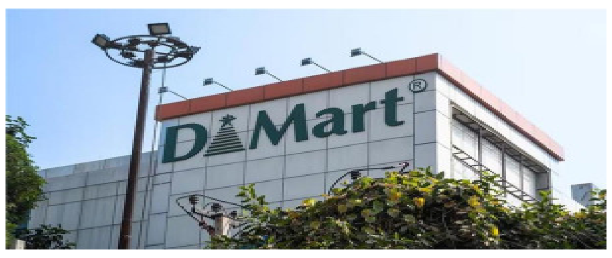

पूर्व आरबीआई गवर्नर जताया भरोसा, अगले कुछ वर्षों में वैश्विक जीडीपी ग्रोथ में 20 प्रतिशत योगदान देगा भारत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) गवर्नर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने शनिवार को कहा कि भारत अगले कुछ वर्षों में वैश्विक जीडीपी ग्रोथ में करीब 20इ का योगदान देगा। उन्होंने यह उपलब्धि मजबूत घरेलू मांग और सही आर्थिक व वित्तीय नीतियों का परिणाम बताया, जिन्होंने भारत को वैश्विक झटकों से निपटने में सक्षम बनाया है। पुणे के गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स में 85वें काले मेमोरियल लेक्चर में 'बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था' विषय पर बोलते हुए, दास ने भारत के आर्थिक लचीलेपन और गतिशीलता पर जोर दिया।

शक्तिकांत दास ने कहा कि कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक संकटों ने आत्मनिर्भरता और आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। उन्होंने बताया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को अनिश्चितताओं और पुराने नियम-आधारित वैश्वीकरण व्यापार तंत्र में बदलाव का सामना करना पड़ रहा है। इस बदलते परिदृश्य में भारत ने 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन और पिछले एक दशक के संरचनात्मक सुधारों के दम पर कई वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है।

दास ने भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर निष्पक्ष और संतुलित परिणामों के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि भारत के पास वर्तमान में 14 मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और 6 प्राथमिक व्यापार समझौते (पीटीए) हैं। इनमें हाल ही में यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के देशों (स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन) के साथ हुए समझौते शामिल हैं। इसके अलावा, अमेरिका, यूरोपियन यूनियन, पेरू, ओमान और न्यूज़ीलैंड के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत चल रही है।

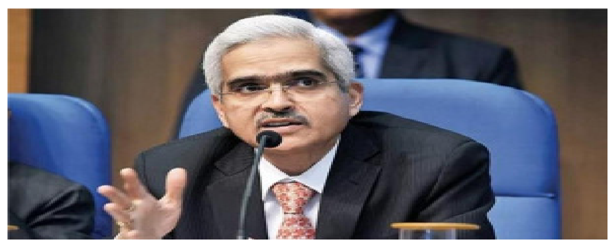

दास ने कहा कि वैश्विक स्तर पर रणनीतिक स्वायत्तता (स्ट्रैटेजिक ऑटोनॉमी) अब प्राथमिकता बन गई है। क्षेत्रीय व्यापार समझौते अब अधिक व्यावहारिक और छोटे-छोटे व्यापारिक गठबंधनों की ओर बढ़ रहे हैं। भारत ने इन बदलावों के बीच अपनी आर्थिक नीतियों और सुधारों के जरिए मजबूत आधार तैयार किया है, जिसने इसे वैश्विक आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देने की स्थिति में ला खड़ा किया है। पूर्व आरबीआई गवर्नर ने जोर देकर कहा कि भारत की मजबूत घरेलू मांग और सटीक आर्थिक नीतियों ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों से निपटने की ताकत दी है। इन नीतियों और सुधारों ने भारत की अर्थव्यवस्था को न केवल स्थिरता प्रदान की है, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है।

आईटी सेक्टर में उथल-पुथल 50, 000 नौकरियां खतरे में!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की आशंका जताई जा रही है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, साल 2025 के अंत तक करीब 50, 000 कर्मचारियों की नौकरियां जा सकती हैं, जो कि 2023-24 में हुई छंटनी की संख्या से लगभग दोगुनी है। उस दौरान करीब 25, 000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया था।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज समेत कई आईटी कंपनियां इस बार पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत कर्मचारियों की संख्या घटा रही हैं। टीसीएस ने अपने सितंबर तिमाही के नतीजों के साथ बताया कि उसने अपने कुल कार्यबल का लगभग 1इ यानी करीब 6, 000 कर्मचारियों को हटाया है। कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी सुदीप कुन्नुमल ने कहा कि यह छंटनी मुख्य रूप से मध्य और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित कर रही है।

कुन्नुमल ने हालांकि यह भी स्पष्ट किया कि मीडिया में चल रही 50, 000 से 80, 000 कर्मचारियों की छंटनी की खबरें 'तथ्यात्मक रूप से सही नहीं' हैं। उन्होंने कहा कि आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है और कंपनी केवल जरूरत के मुताबिक पुनर्गठन कर रही है। टीसीएस के अलावा अन्य आईटी कंपनियां भी चुपचाप छंटनी कर रही हैं। फ्एट ीम्प के सीईओ फिल फर्शथ के अनुसार, इस साल बड़ी आईटी कंपनियों में हजारों पद बिना किसी आधिकारिक घोषणा के खत्म कर दिए गए हैं। भर्ती प्रक्रिया धीमी पड़ गई है, प्रमोशन रोक दिए गए हैं और परफॉर्मेंस रिव्यू के नाम पर कर्मचारियों को निकाला जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि कंपनियां अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डिजिटल लेबर पर तेजी से निर्भर हो रही हैं। इसके चलते पारंपरिक आईटी कर्मचारियों की मांग घट रही है, और आने वाले समय में यह प्रवृत्ति और तेज हो सकती है।

देश में मानसिक स्वास्थ्य क्रांति! दीपिका पादुकोण बनीं केंद्रीय मंत्रालय की दूत

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने द लिव लव लाफ फाउंडेशन की संस्थापक, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को अपना पहला 'मानसिक स्वास्थ्य राजदूत' नियुक्त किया है। इस पहल के साथ, मंत्रालय ने देश में मानसिक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी को और अधिक प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इस अवसर पर, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, जे.पी. नड्डा ने कहा, 'दीपिका पादुकोण के साथ यह साझेदारी भारत में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में व्यापक जागरूकता फैलाने, कलंक को कम करने के लिए चर्चाओं को सामान्य बनाने और मानसिक स्वास्थ्य को जन स्वास्थ्य के एक अभिन्न अंग के रूप में उजागर करने में मदद करेगी।'

दीपिका पादुकोण ने कहा, 'केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की पहली मानसिक स्वास्थ्य राजदूत के रूप में सेवा करने पर मुझे बेहद गर्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। मैं इस गति को बनाए रखने और हमारे देश के मानसिक स्वास्थ्य ढांचे को और मजबूत करने के लिए मंत्रालय के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूँ।'

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि भारत मानसिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत कर रहा है और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक न्यायसंगत, किफायती और समावेशी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, नड्डा ने राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (टेली मानस) के लिए कई पहल की शुरूआत की, जिसमें बहुभाषी यूआई(यूजर इंटरफेस), चैटबॉट, सुगम्यता और टेली मानस ऐप में आपातकालीन मॉड्यूल जैसे संवर्द्धन शामिल हैं। टेली मानस ऐप अब अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं के अलावा 10 क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध होगा। इन भाषाओं में असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तमिल, तेलुगु, उड़िया और पंजाबी शामिल हैं।

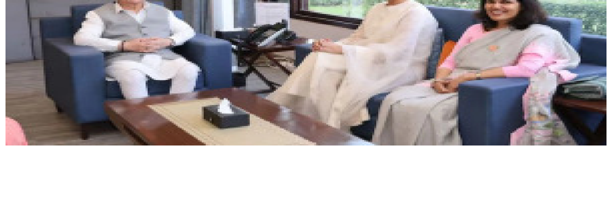

नड्डा ने यह भी कहा कि (अभिनेत्री) दीपिका पादुकोण को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मानसिक स्वास्थ्य दूत नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्रीय पैरोकार के रूप में उनकी भागीदारी मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने और लोगों को सरकार द्वारा अनुमोदित मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों के माध्यम से समय पर सहायता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने में सहायता करेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों को मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में टेली-मानस के प्रभाव के बारे में बात करते हुए यह रेखांकित किया कि हर दिन लगभग 4, 000 लोग सहायता प्राप्त करने के लिए संपर्क करते हैं।

फिल्मफेयर अवार्ड 2025: लापता लेडीज को मिले सबसे ज्यादा अवॉर्ड्स, लक्ष्य और नितांशी को मिला बेस्ट डेब्यू का अवॉर्ड

हर साल की तरह फिल्मफेयर अवार्ड की शानदार नाइट का आयोजन इस बार गुजरात में हुआ है। फिल्मी लवर बेसब्री से फिल्मफेयर अवॉर्ड का इंतजार करते हैं। बॉलीवुड के स्टार्स शानदार परफॉर्मेंस देते हैं इसके साथ ही बेस्ट मूवीज और कलाकारों को अवार्ड से नवाजा जाता है। इस बार फिल्मफेयर में 'लापता लेडीज'ने अपने नाम कई सारे अवॉर्ड्स किए है। इसके अलावा, जीनत अमान और दिवंगत निर्देशक श्याल बेनेगल को भी सम्मानित किया गया है। दोनों को ही लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड्स मिला है।

इस बार फिल्मफेयर में सबसे ज्यादा अवॉर्ड्स 'लापता लेडीज' को मिले हैं। आइए आपको विनर्स की पूरी लिस्ट बताते हैं-

- बेस्ट फिल्म : लापता लेडीज
- बेस्ट डायरेक्टर- किरण राव (लापता लेडीज)
- बेस्ट एक्टर- कार्तिक आर्यन (चंदू चैंपियन) और अभिषेक बच्चन (आई वांट टू टाक)
- बेस्ट एक्ट्रेस- आलिया भट्ट (जिगरा)
- बेस्ट एक्टर (क्रिटिक्स) : राजकुमार राव (श्रीकांत)
- बेस्ट एक्ट्रेस (क्रिटिक्स) : प्रतिभा रांटा (लापता लेडीज)
- बेस्ट एक्टर इन डेब्यू : लक्ष्य लालवानी (किल)
- बेस्ट एक्ट्रेस इन डेब्यू : नितांशी गोयल (लापता लेडीज)
- बेस्ट एक्टर इन सपोर्टिंग रोल एक्ट्रेस : छाया कदम (लापता लेडीज)
-बेस्ट एक्टर इन सपोर्टिंग रोल एक्टर : रवि किशन (लापता लेडीज)
-बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर : कुणाल खेमू (मडगांव एक्सप्रेस) और आदित्य सुहास जंभाले (आर्टिकल 370)

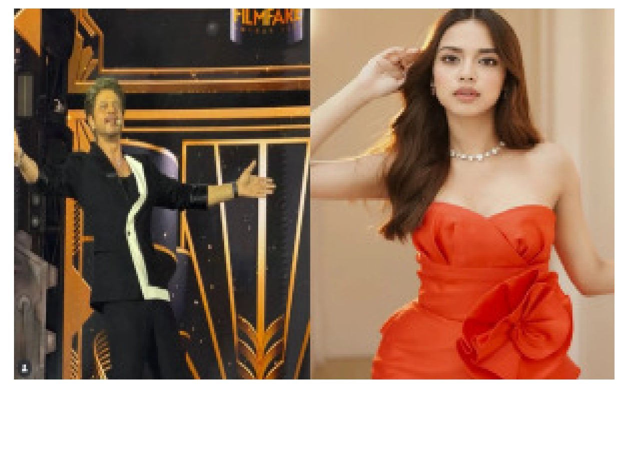

- बेस्ट फिल्म (क्रिटिक्स) : शूजित सरकार (आई वांट टू टाक)

फिल्मफेयर अवॉर्ड में दिग्गज एक्ट्रेस जीनत अमान और दिवंगत निर्देशक श्याम बेनेगल को (मरणोपरांत) लाइफटाइम अचीवमेंट का अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इसके साथ ही दिवंगत एक्ट्रेस नूतन और दिवंगत फिल्ममेकर बिमल राय को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवॉर्ड नाइट में दिलीप कुमार की विरासत का भी जश्न मनाया गया है।

दिलीप कुमार की पत्नी बीमार होने के कारण इस इवेंट का हिस्सा नहीं बन सकी। जिसके बाद शाहरुख खान उनकी जगह अवॉर्ड को रिसीव किया। जब किंग खान ने अवॉर्ड लिया तब उन्होंने दिलीप कुमार और सायरा बानो से मिलने उनके घर गए थे। तब एक्टर ने शाहरुख के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा था कि अगर उनका बेटा होता तो बिल्कुल उनके जैसा होता।

माझी ने पश्चिम बंगाल में सामूहिक बलात्कार पीड़िता के पिता से बात की, सहयोग का आश्वासन दिया

भुवनेश्वर **(एजेंसी)**। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में 'सामूहिक बलात्कार' का शिकार हुई मेडिकल छात्रा के पिता से फोन पर बात की और उन्हें राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

ओडिशा की एक मेडिकल छात्रा के साथ पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर बलात्कार किया। यह घटना शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के बाहर उस समय हुई जब द्वितीय वर्ष की छात्रा अपने एक दोस्त के साथ भोजन करने के लिए बाहर गई थी।

पश्चिम बंगाल पुलिस ने इस मामले में रविवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया। माझी ने दुर्गापुर में मौजूद पीड़िता के पिता से शनिवार रात बात की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की एक विज्ञप्ति में माझी के हवाले से कहा गया, ''आपकी बेटी के बारे में जानकर मुझे बेहद दुख हुआ। मैं उस पिता की मानसिक स्थिति को समझ सकता हूं जिसकी बेटी से सामूहिक बलात्कार हुआ हो। इस मुश्किल घड़ी में राज्य सरकार पूरी तरह आपके साथ है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस समय इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही है कि पीड़िता शीघ्र स्वस्थ हो जाए और सामान्य जीवन जीने की स्थिति में आ सके। माझी ने पीड़िता के पिता से कहा कि उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि ओडिशा के एक वरिष्ठ अधिकारी पश्चिम बंगाल सरकार के संपर्क में हैं और सभी आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बालासोर जिले के पुलिस अधीक्षक को दुर्गापुर पुलिस के संपर्क में रहने और आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है।

माझी ने पीड़िता के पिता को हर प्रकार की सहायता मुहैया कराने का आश्वासन दिया। पीड़िता के पिता ने सहानुभूति जताने और सहायता देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

इससे पहले शनिवार को, माझी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बनर्जी से आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किए जाने और उनके लिए कड़ी सजा सुनिश्चित किए जाने का आग्रह किया था।

चिदंबरम का कबूलनामा, ऑपरेशन ब्लू स्टार एक गलती थी, इंदिरा गांधी ने जान देकर चुकाई इसकी कीमत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने 1984 में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निर्देश पर चलाए गए ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलत तरीका बताया है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता को अपनी जान देकर इसकी कीमत चुकानी पड़ी। चिदंबरम शनिवार को हिमाचल प्रदेश के कसौली में आयोजित खुशवंत सिंह साहित्य महोत्सव में पत्रकार हरिंदर बावेजा की पुस्तक 'दे विल शूट यू, मैडम' पर एक चर्चा का संचालन कर रहे थे।

पूर्व केंद्रीय गृह एवं वित्त मंत्री ने स्वीकार किया कि ऑपरेशन ब्लू स्टार एक गलती थी, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सेना, पुलिस, खुफिया विभाग और सिविल सेवा का सम्मिलित निर्णय था, और इसके लिए केवल इंदिरा गांधी को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

उन्होंने कहा, 'स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने का यह गलत तरीका था... सभी उग्रवादियों को वापस लाने और पकड़ने का एक

तरीका था। ब्लू स्टार गलत तरीका था।'

चिदंबरम ने आगे कहा, 'मैं मानता हूं कि श्रीमती गांधी ने उस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई, लेकिन वह गलती सेना, पुलिस, खुफिया विभाग और सिविल सेवा का मिला-जुला फैसला था। हम इसके लिए सिर्फ़ श्रीमती गांधी को ज़िम्मेदार नहीं ठहरा सकते।'

ऑपरेशन ब्लू स्टार 1 जून से 8 जून, 1984 के बीच चलाया गया था। इंदिरा गांधी सरकार ने यह कार्रवाई पंजाब में कट्टरपंथी प्रचारक जरनैल सिंह भिंडरावाले के नेतृत्व वाले अलगाववादी आंदोलन को कुचलने के प्रयास में की थी।

भारतीय सेना ने सिख धर्म के सबसे पवित्र स्थलों में से एक, स्वर्ण मंदिर परिसर में धावा बोल दिया, जहां भिंडरावाले छिपे हुए थे। इस कार्रवाई में भिंडरावाले मारा गया, और अकाल तख्त को भारी नुकसान पहुंचा। सैन्य कार्रवाई, जिसके दौरान अकाल तख्त मलबे में बदल गया था, ने सिख समुदाय में भारी आक्रोश पैदा कर दिया था। कुछ महीनों बाद, इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या के बाद समुदाय के खिलाफ व्यापक हिंसा हुई। सरकारी अनुमानों के अनुसार, दिल्ली और अन्य जगहों पर 3, 000 से ज्यादा सिख मारे गए। कई कांग्रेस नेताओं पर इस हिंसा को भड़काने का संदेह था।

कांग्रेस पार्टी को 1984 के दंगों को संभालने के तरीके को लेकर बार-बार आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है, तो ज़मीन हिलती है वाली टिप्पणी भी शामिल है। भाजपा अक्सर 1984 के दंगों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधती रही है।

नायडू ने मुख्यमंत्री के रूप में 15 साल पूरे होने पर बधाई के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद व्यक्त किया

अमरावती **(एजेंसी)**। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेता एन चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उनके 15 साल पूरे होने पर बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने नायडू से बात की और उनके राजनीतिक सफर की सराहना की तथा आंध्र प्रदेश के कल्याण के लिए काम करते रहने के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी जी, आपके इन स्नेहपूर्ण शब्दों के लिए धन्यवाद। मैं आपके सहयोग से स्वर्णिम आंध्र के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं और यह सुनिश्चित करूंगा कि आपके दूरदर्शी नेतृत्व में यह (राज्य) आपके विकसित भारत के मिशन में एक अग्रणी शक्ति बने।''

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''चंद्रबाबू नायडू से बात की और उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में 15 साल पूरे करने पर बधाई दी। उनका आधुनिक दृष्टिकोण और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता उनके पूरे राजनीतिक जीवन में निरंतर बनी रही है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने चंद्रबाबू के साथ कई मौकों पर निकटता से काम किया है, जिसकी शुरुआत उस समय हुई जब हम दोनों 2000 के दशक के शुरू में मुख्यमंत्री थे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं कि वह आंध्र प्रदेश के कल्याण के लिए पूरी लगन के साथ इसी तरह काम करते रहें।'' नायडू ने पहली बार एक सितंबर, 1995 को संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने 1995 से 2004 तक लगातार सेवा की और 2014 और 2024 में मुख्यमंत्री के रूप में वापसी की।

तारे ने मुझे शिंदे के बारे में चेतावनी दी थी उनकी बात माननी चाहिए थी : उद्धव ठाकरे

मुम्बई **(एजेंसी)**। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि पार्टी के दिवंगत नेता अनंत तारे ने 2014 में ही उन्हें एकनाथ शिंदे के बारे में चेतावनी दी थी और उन्हें इसे गंभीरता से लेना चाहिए था। ठाणे के तीन बार महापौर रहे तारे पर एक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर ठाकरे ने कहा कि शिवसेना ने 2014 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ा था, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी, जो उस समय उसकी सहयोगी थी, उसे ''नष्ट'' करने की योजना बना रही थी। ठाकरे ने महाराष्ट्र के वर्तमान उपमुख्यमंत्री शिंदे का नाम लिए बिना कहा कि तारे ने उनसे कहा था कि यह आदमी एक दिन उन्हें धोखा देगा। शिंदे ने ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया था और जून 2022 में उनके नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को गिरा दिया था। इसके बाद शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट ने भाजपा से हाथ मिला लिया और वह मुख्यमंत्री बन गए। इस बीच, ठाकरे ने यह भी कहा कि ठाणे कभी शिवसैनिकों का शहर था, लेकिन अब यह ठेकेदारों का शहर बन गया है। ठाणे शहर शिंदे का गढ़ माना जाता है।

दुर्गापुर सामूहिक बलात्कार बंगाल में बेटी की सुरक्षा पर बड़ा सवाल

गैंगरेप पीड़िता के पिता बोले, ओडिशा ले जाने दो, यहां खतरा है'

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल पुलिस ने दुर्गापुर में एमबीबीएस छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की जांच तेज कर दी है। रविवार को तीन लोगों को गिरफ्तार करने के बाद, पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाने पहुंची। इस बीच, पीड़िता के परिवार की ओर से एक भावुक अपील सामने आई है।

कथित सामूहिक बलात्कार पीड़िता के पिता ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से अपनी बेटी को इलाज और सुरक्षा के लिए उसके गृह राज्य ओडिशा ले जाने की अनुमति देने की मार्मिक अपील की है।

पीड़िता के पिता ने मीडिया को दिए बयान में कहा, 'वह (बेटी) चलने में असमर्थ है और बिस्तर पर है। मुख्यमंत्री, डीजी (पुलिस महानिदेशक), एसपी (पुलिस अधीक्षक) और कलेक्टर सभी हमारी बहुत मदद कर रहे हैं और नियमित रूप से उसके स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। मैंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वह हमें मेरी बेटी को यहां से ओडिशा ले जाने दें, किसी सुरक्षित स्थान पर, क्योंकि

यहां उसकी सुरक्षा खतरे में है। हमने उनसे अनुरोध किया है कि वे हमें उसे ले जाने दें।'

पुलिस शिकायत में, एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा की मां ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया है कि उनकी बेटी को उसके दोस्त ने छोड़ दिया, जिसके बाद कुछ अज्ञात लोगों ने उनकी बेटी को जंगल में घसीट लिया। बदमाशों ने कथित तौर पर पीड़िता को चिल्लाने की कोशिश करने पर जान से मारने की धमकी दी। भागने से पहले, कथित तौर पर उन्होंने छात्रा का मोबाइल फोन और ?5, 000 भी लूट लिए थे।

पुलिस ने इस मामले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और घटनास्थल पर गहनता से साक्ष्य जुटाने का काम कर रही है।

जस्टिन ट्रूडो को हॉलीवुड स्टार केटी पेरी से हुआ प्यार!

किस करते बाहों में खोए आए नजर, इंटरनेट पर छाई दोनों की रोमांटिक तस्वीरें

ओटावा **(एजेंसी)**। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और हॉलीवुड पॉप स्टार केटी पेरी की रोमांस की खबरें इन दिनों इंटरनेट पर छाई हुई हैं। हाल ही में उनकी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें दोनों एक-दूसरे की बाहों में खोए हुए नजर आ रहे हैं। ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं और दुनिया भर के मीडिया में सुर्खियों का विषय बन गई हैं। सितंबर 2025 में, दोनों को कैलिफोर्निया के सांत बारबरा में पेरी की यॉट 'कारावेल'पर एक-दूसरे के साथ अंतरंग क्षणों में देखा गया। इस दौरान पेरी काले स्विमसूट में और ट्रूडो बिना शर्ट के दिखाई दिए, जबकि वे एक-दूसरे को गले लगाते और चुंबन करते हुए नजर आए। यह दृश्य पास के व्हेल वॉचिंग बोट से ली गई तस्वीरों में कैद हुआ, जिसमें ट्रूडो के हाथ पर 'हैडा रेवेन' टैटू ने उनकी पहचान की पुष्टि की।

गौरतलब है कि 28 जुलाई को मॉन्ट्रियल के 'ले वायलोन' रेस्तरां में दोनों क ेसाथ डिनर करते और माउंट रॉयल पार्क में सैर करते हुए देखा गया था, जिससे उनके बीच रिश्ते की अटकलें शुरू हुईं । हालांकि, अगस्त में मीडिया में आई रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया था कि दोनों के बीच रिश्ते में ठंडापन आ गया था, लेकिन हालिया तस्वीरों ने इन अटकलों को खारिज कर दिया है। इसके बाद ट्रूडो को केटी पेरी के कॉन्सर्ट में भी देखा गया, जहां उन्होंने खुलेआम गाने का आनंद लिया। जस्टिन ट्रूडो और केटी पेरी का बैकग्राउंड काफी अलग है। ट्रूडो राजनीतिक दुनिया में नामी हैं, जबकि केटी पेरी हॉलीवुड की बड़ी पॉप आइकन हैं।

ध्यान देने योग्य है कि कैटी पेरी और जस्टिन ट्रूडो दोनों ही हाल ही में अपने-अपने पूर्व पार्टनर्स से अलग हुए हैं। कैटी पेरी ने जून 2025 में अभिनेता ऑरलैंडो ब्लूम से अपने नौ साल के रिश्ते को समाप्त किया, जबकि ट्रूडो ने 2023 में अपनी पत्नी सोफी ग्रेगॉयर से तलाक लिया। हालांकि दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन हाल की तस्वीरों और सार्वजनिक मुलाकातों से यह स्पष्ट होता है कि उनके बीच रोमांटिक संबंध हैं।

मिटने वाला पाकिस्तान का नामोनिशान!

बलूचिस्तान और पीओके में विद्रोह की भयंकर आग, सीमा पर जंग में अफगानिस्तान से मात

पेशावर **(एजेंसी)**। पाकिस्तान इस समय आंतरिक और बाहरी मोर्चों पर गंभीर संकट का सामना कर रहा है जिससे लगता है कि कहीं नक्शे से इसका अस्तित्व ही न मिट जाए। अफगानिस्तान से सीमा पर संघर्ष, बलूचिस्तान में बीएलए के हमले, और पाकिस्तान-आधारित कश्मीर (पीओके) में उग्र विरोध प्रदर्शन ने पाकिस्तान की स्थिरता को हिला कर रख दिया है। 2 अक्टूबर 2025 को अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसने रातभर चले अभियानों में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया और 25 सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया। यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के नेता पर हवाई हमले के जवाब में की गई। अफगान अधिकारियों ने इसे पाकिस्तान के क्षेत्रीय उल्लंघन का प्रतिकार बताया और चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसे

हमलों का जवाब और भी सख्त होगा।

सितंबर 2025 के अंत से पाकिस्तान-आधारित कश्मीर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने पाकिस्तान सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, राजनीतिक दमन और संसाधनों की लूट का आरोप लगाया है। इन प्रदर्शनों में अब तक 12 से अधिक लोग मारे गए हैं, और सैकड़ों घायल हुए हैं। मुजफ्फराबाद, मीरपुर और धीरकोट जैसे शहरों में हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच संघर्ष हुआ।

प्रदर्शनकारियों ने 38 सूत्रीय मांगपत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें राजनीतिक स्वतंत्रता, आर्थिक अधिकार और मानवाधिकारों की रक्षा की मांग की गई है। पाकिस्तान सरकार ने प्रदर्शनकारियों के साथ समझौता किया है, लेकिन तनाव अभी भी बना हुआ है पाकिस्तान इस समय चारों ओर से संकट का सामना कर रहा है। अफगानिस्तान से सीमा पर संघर्ष, बलूचिस्तान में बीएलए के हमले और पाकिस्तान-आधारित कश्मीर (पीओके) में उग्र विरोध प्रदर्शन ने पाकिस्तान की स्थिरता को हिला कर रख दिया है। यदि पाकिस्तान ने सुरक्षा और शासन में सुधार नहीं किया, तो आने वाले समय में और भी बड़े राजनीतिक और सैन्य झटके झेलने पड़ सकते हैं।

ट्रंप की धमकी पर चीन का पलटवार

दुर्लभ खनिज निर्यात पाबंदी को बताया उचित कहा-'वैश्विक शांति के लिए उठाया कदम'

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीन ने दुर्लभ खनिज और ऐसी अन्य वस्तुओं के निर्यात पर अंकुश से जुड़े फैसले का बचाव करते हुए इसे वैश्विक शांति की रक्षा के लिए एक वैध कदम बताया और अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीनी निर्यात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की अपनी धमकी पर कायम रहते हैं, तो वह 'ठोस कदम' उठाएगा। चीन ने बृहस्पतिवार को दुर्लभ खनिज, लिथियम बैटरी और दुर्लभ खनिज-आधारित सामग्रियों के खनन व प्रसंस्करण से संबंधित तकनीकों और उपकरणों के निर्यात पर नयी पाबंदियों की घोषणा की थी। तत्काल प्रभावी हुईं ये पाबंदियां उत्पादन तकनीकों के विदेशी हस्तांतरण पर भी लागू हैं।

बीजिंग ने कहा कि यह निर्णय इस चिंता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है कि कुछ विदेशी कंपनियां सैन्य उद्देश्यों के लिए चीन से प्राप्त सामग्रियों का उपयोग कर रही हैं। चीन के इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है, जिसके बाद दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध फिर से शुरू हो गया। ट्रंप की धमकी से जुड़े एक प्रश्न का उत्तर देते हुए चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में अमेरिका पर राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया।

बयान में कहा गया है, 'जानबूझकर उच्च शुल्क लगाने की धमकी देना चीन के साथ तालमेल बिठाने का सही तरीका नहीं है। व्यापार युद्ध पर चीन का रुख पहले जैसा हैः हम व्यापार युद्ध नहीं चाहते, लेकिन हम इससे डरते भी नहीं।' बयान में कहा गया है, 'अगर अमेरिका गलत रास्ते पर जाने पर अड़ा रहता है, तो चीन निश्चित रूप से अपने वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाएगा।'

एससीएस में ड्रैगन की बदमाशी!

चीनी नेवी ने समुद्र में फिलीपीनी जहाज को मारी जबरदस्त टक्कर

मनीला **(एजेंसी)**। चीन की बदमाशी दक्षिण चीन सागर में (एससीएस) में लगातार बढ़ती जा रही है। चीनी तटरक्षक बल ने दक्षिण चीन सागर में फिलीपीन के जहाज को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त किया मनीला, 12 अक्टूबर (एपी) चीनी तट रक्षक के एक जहाज ने रविवार को विवादित दक्षिण चीन सागर में फिलीपीनी निवासियों के एक द्वीप के पास लंगर डाले फिलीपीन सरकार के एक जहाज पर पहले तो जोरदार पानी की बौछार की और फिर उसे टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। फिलीपीन के तट रक्षक बल ने यह जानकारी दी।

हालांकि इस घटना में फिलीपीन के मछुआरों को सहायता प्रदान करने वाले मत्स्य बेड़े का हिस्सा रहे 'बीआरपी दातु पगबुया' जहाज के फिलीपीनी चालक दल के सदस्यों में से किसी को भी चोट नहीं आई। मनीला, बीजिंग और चार अन्य देशों के बीच लंबे समय से जारी क्षेत्रीय विवादों के बीच ताजा घटना में चीन के तट रक्षक बल ने फिलीपीन के कब्जे वाले थिटू द्वीप के पास पगबुया को निशाना बनाया।

चीन ने इस घटना पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। फिलीपीन तटरक्षक बल के प्रवक्ता कमोडोर जे टैरिएला ने एक बयान में कहा कि इस तरह की आक्रामकता फिलीपीन को ''किसी भी विदेशी ताकत को अपनी जमीन का एक इंच भी सौंपने'' के लिए मजबूर नहीं करेगी।

सऊदी में मुस्लिम युवक का प्रेमानंद महाराज के लिए अद्भुत प्रेम!

मक्का-मदीना में मांगी उनके स्वास्थ्य की दुआ, भावुक कर देगा वीडियो

रियाद **(एजेंसी)**। भारत के प्रसिद्ध संत स्वामी प्रेमानंद महाराज इन दिनों अस्वस्थ चल रहे हैं। उनकी तबीयत लंबे समय से नाजुक बनी हुई है और भक्तजन लगातार उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। लेकिन इस बार यह प्रार्थना भारत की सीमाओं से निकलकर मक्का-मदीना तक पहुंच गई है।सऊदी अरब के मदीना से एक मुस्लिम युवक सुफियान इलाहाबादी का वीडियो सामने आया है, जो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में सुफियान मदीना की पवित्र भूमि से उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध व पावन धार्मिक स्थल वृंदावन में बसे स्वामी प्रेमानंद महाराज की सलामती और दीर्घायु के लिए दुआ मांगते नजर आ रहे हैं।

यह वीडियो लगभग 1 मिनट 20 सेकंड का है, जिसमें सुफियान हाथ उठाकर अल्लाह से प्रार्थना करते हुए कहते हैं कि 'हे अल्लाह, भारत के महान संत प्रेमानंद महाराज को जल्द से जल्द सेहतमंद कर दे, ताकि वे अपने भक्तों का मार्गदर्शन करते रहें।' वीडियो में पीछे मदीना का दृश्य स्पष्ट दिखाई देता है, जिससे यह पुष्टि होती है कि यह दुआ इस्लाम की सबसे पवित्र स्थली से की गई है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को अब तक लाखों बार देखा जा चुका है और लोग इसे 'धर्म से ऊपर इंसानियत' का प्रतीक बता रहे हैं।

स्वामी प्रेमानंद महाराज ऐसे संत हैं जिन्हें केवल हिंदू ही नहीं, बल्कि अन्य धर्मों के लोग भी सम्मान देते हैं।उनके भजन, प्रवचन और जीवन दर्शन ने भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। इस घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि आस्था की कोई जात या मजहब नहीं होती, और जब बात मानवता की आती है तो दिल जोड़ने वाली दुआएं हर दीवार को तोड़ देती हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।